सांध्य दैनिक

नई दृष्टिबिंदु

सच की शक्ति, जनता की दृष्टि

PRGI Reg No - CTHIN/25/A3746

सु-विचार

" मनुष्य जितना अपने अंदर से करुणा, दयालुता और प्रेम से भरा होगा, वह संसार को भी उसी तरह पायेगा..!"

अज्ञात...

वर्ष-01 अंक-89 | संपादक आलोक तिवारी | दुर्ग, रविवार 19 अप्रैल 2026 | पृष्ठ 08 | मूल्य -2 रुपए

देवखोल में अवैध कोयला खनन पर की बड़ी कार्रवाई, 6 टन से अधिक कोयला किया जब्त

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

कोरिया जिला के पटना तहसील अंतर्गत देवखोल जंगल में अवैध कोयला उत्खनन के खिलाफ प्रशासन ने व्यापक कार्रवाई करते हुए बड़ी मात्रा में कोयला जब्त किया है। खनिज, वन, पुलिस और राजस्व विभाग की संयुक्त टीम ने शनिवार को सुबह से सघन अभियान चलाकर अवैध सुरंगों को ध्वस्त किया और मौके से करीब 150 बोरी यानी 6 टन 61 किलो अवैध कोयला बरामद किया।

सुरंगों में घुसकर की गई कार्रवाई, उपकरण भी जब्त

जिले में गठित टास्क फोर्स के निर्देशन में चलाए गए इस अभियान में एसडीएम सहित संबंधित विभागों के अधिकारी मौके पर मौजूद रहे। टीम ने सुरंगों के भीतर प्रवेश कर कार्रवाई की और कोयले के साथ-साथ फावड़ा, गेती, विद्युत पंप, फुटबॉल पाइप तथा बड़ी मात्रा में बिजली के तार भी जब्त किए। इससे यह स्पष्ट होता है कि अवैध उत्खनन संगठित रूप से संचालित किया जा रहा था।

प्रशासन की सख्ती, लगातार निगरानी

जिला खनिज अधिकारी ने बताया कि जिले में अवैध कोयला उत्खनन, परिवहन और भंडारण पर लगातार निगरानी रखी जा रही है। शिकायत प्राप्त होते ही तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित की जा रही है। वनमंडलाधिकारी ने भी कहा कि ऐसी गतिविधियों पर रोक लगाने के लिए नियमित अभियान चलाया जाएगा और आगे और सख्ती बरती जाएगी।

पहले भी बंद की गई खदानें, फिर दोहराई जा रही गतिविधियां

वन विभाग के अनुसार देवखोल क्षेत्र में पूर्व में भी अवैध खदानों को ब्लास्ट कर बंद किया गया था। एसईसीएल के माध्यम से सुरंगों को सील करने की कार्रवाई लगातार की जा रही है, लेकिन कुछ लोग इन्हें दोबारा खोलने का प्रयास करते हैं। हाल ही में पटना पुलिस द्वारा भी 3 टन 200 किलो अवैध कोयला जब्त कर बीएनएस की धारा 106 के तहत अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था।

कानूनी प्रावधानों के तहत प्रकरण दर्ज

इस मामले में छत्तीसगढ़ गौण खनिज नियम 2015 की धारा 71 तथा खान और खनिज (विकास एवं विनियमन) अधिनियम 1957 की धारा 21 से 23 (ख) के तहत प्रकरण दर्ज कर आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है।

वैकल्पिक आजीविका पर जोर

जिला कलेक्टर ने इस जोखिमपूर्ण कार्य से ग्रामीणों को दूर रहने की अपील करते हुए स्थानीय स्तर पर उपलब्ध रोजगार के अवसरों और स्किल डेवलपमेंट के माध्यम से स्व-रोजगार को बढ़ावा देने के निर्देश दिए हैं। इसके लिए जिला पंचायत के सीईओ को आवश्यक कार्रवाई करने के लिए कहा गया है।

रोजगार के विकल्प उपलब्ध

प्रशासन का कहना है कि क्षेत्र में आजीविका के पर्याप्त साधन उपलब्ध कराए जा रहे हैं, ताकि लोग अवैध गतिविधियों से दूर रहें। वी-बीजी रामजी (विकसित भारत गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन) के तहत स्थानीय ग्रामीणों को रोजगार प्रदान किया जा रहा है। ग्राम पंचायत मुरमा एवं आसपास के क्षेत्रों में 20 .07 लाख रुपये के विकास कार्य स्वीकृत हैं, जिनमें भूमि समतलीकरण, डबरी निर्माण और तालाब गहरीकरण शामिल हैं। इसके अतिरिक्त वर्ष 2026-27 के लिए लगभग 54 लाख रुपये के 30 कार्य प्रस्तावित हैं, जिन्हें मांग के आधार पर क्रियान्वित किया जाएगा।

राष्ट्र के नाम पीएम का संबोधन सीएम ने सुना

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने राजधानी रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नारी शक्ति वंदन अधिनियम के सम्बन्ध में राष्ट्र के नाम प्रसारित संबोधन का श्रवण किया। इस अवसर पर महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े, महापौर श्रीमती मीनल चौबे और महिला बाल संरक्षण आयोग की अध्यक्ष श्रीमती वर्णिका शर्मा सहित अन्य महिला जनप्रतिनिधि और गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

छत्तीसगढ़ में गांजा तस्करी पर अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाइयों में एक

4 .66 करोड़ का माल जब्त, 'केले' के बीच छुपा था नशे का जाल

नई दृष्टिबिंदु / महासमुंद

जिले में नशे के खिलाफ चल रही मुहिम के बीच पुलिस ने ऐसी कार्रवाई की है, जिसने तस्करी के नेटवर्क की गहराई और चालाकी दोनों को बेनकाब कर दिया। एन्टी नारकोटिक टास्क फोर्स और बसना पुलिस की संयुक्त टीम ने एक बड़े ऑपरेशन में 912 किलो से ज्यादा गांजा बरामद करते हुए अंतरराज्यीय तस्करी की साजिश को ध्वस्त कर दिया। जब्त माल की कीमत 4 करोड़ 56 लाख रुपये से अधिक आंकी गई है, जबकि कुल जुमला संपत्ति 4.66 करोड़ रुपये तक पहुंचती है।

पुलिस को मिली सटीक सूचना पर पलसापाली बैरियर के पास नाकाबंदी कर एक आईशर वाहन को रोका गया। ऊपर से देखने में यह सामान्य केला परिवहन का वाहन था, लेकिन जैसे ही पुलिस ने सघन तलाशी ली, तस्करी का असली खेल सामने आ गया। केले के बीच 29 बोरियों में छुपाकर भारी मात्रा में गांजा रखा गया था। यह खेप ओडिशा से उत्तरप्रदेश सप्लाई के लिए ले जाई जा रही थी।

झारखंड का तस्कर गिरफ्तार

इस मामले में झारखंड के पूर्वी सिंहभूम निवासी अब्दुल नईम (42 वर्ष) को गिरफ्तार किया गया है। आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की गंभीर धाराओं के साथ भारतीय न्याय संहिता के तहत भी मामला दर्ज कर लिया गया है। उसे न्यायिक रिमांड पर भेजने की प्रक्रिया जारी है।

सिर्फ जब्ती नहीं, पूरी चेन पर नजर

पुलिस अब केवल गांजा पकड़ने तक सीमित नहीं रहना चाहती, बल्कि सोर्स से डेस्टिनेशन तक पूरे नेटवर्क को तोड़ने की रणनीति पर काम कर रही है। फाइनेंशियल इन्वेस्टिगेशन, सप्लाई चेन और मास्टरमाइंड तक पहुंचने की दिशा में जांच को आगे बढ़ाया जा रहा है।

इस कार्रवाई ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि छत्तीसगढ़ अब तस्करों के लिए आसान रास्ता नहीं रहा। लेकिन सवाल यह भी है कि इतने बड़े स्तर पर चल रही तस्करी आखिर किन संरक्षणों में पनप रही थी—और क्या आने वाले दिनों में इस नेटवर्क के बड़े चेहरे भी सामने आएंगे?

फर्जी नंबर प्लेट से पुलिस को चकमा देने की कोशिश

तस्करों ने पुलिस को भ्रमित करने के लिए वाहन में अलग-अलग राज्यों की फर्जी नंबर प्लेट भी लगा रखी थी। यह साफ संकेत है कि तस्करी का यह नेटवर्क न सिर्फ संगठित है, बल्कि जांच एजेंसियों को गुमराह करने के लिए तकनीकी और लॉजिस्टिक स्तर पर भी तैयार रहता है।

तीन महीने में 56 क्विंटल से ज्यादा गांजा जब्त

महासमुंद पुलिस के आंकड़े इस बात की पुष्टि करते हैं कि जिले में नशे के खिलाफ अभियान लगातार तेज हुआ है। पिछले तीन महीनों में 72 प्रकरणों में 5629 किलो से अधिक गांजा जब्त किया गया है और 187 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। इनमें 135 आरोपी अन्य राज्यों के हैं, जो इस नेटवर्क के अंतरराज्यीय विस्तार की ओर इशारा करता है।

हाईटेक आईपीएल सट्टा रैकेट का मास्टरमाइंड गिरफ्तार

'सांई ऐप' के जरिए चल रहा था करोड़ों का खेल

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

ऑनलाइन सट्टे के बढ़ते नेटवर्क पर करारा प्रहार करते हुए बसंतपुर थाना और साइबर सेल की संयुक्त टीम ने क्ढछ सट्टा रैकेट के मास्टरमाइंड को गिरफ्तार कर लिया है। नागपुर से पकड़ा गया आरोपी सांई ऐप के जरिए सट्टा ID बनाकर बेचता था और पिछले दो वर्षों से इस अवैध कारोबार को संचालित कर रहा था।

पुलिस के अनुसार आरोपी सादिक खान (34), निवासी मानकापुर, नागपुर, इस पूरे नेटवर्क का मुख्य संचालक था। वह सट्टेबाजों को आईडी और पासवर्ड उपलब्ध कराने के बदले 5 हजार से 10 हजार रुपये तक वसूलता था। इतना ही नहीं, ऐप में तकनीकी खामी दूर करने के नाम पर भी 2 से 3 हजार रुपये ऑनलाइन माध्यम से वसूलता था।

गौरतलब है कि 6 अप्रैल 2026 को मोहारा नाला क्षेत्र में संचालित हाईटेक सट्टा रैकेट का खुलासा करते हुए पुलिस ने 6 आरोपियों को गिरफ्तार किया था। उनके पास से लैपटॉप, मोबाइल, नगदी और सट्टा सामग्री सहित करीब 5.50 लाख रुपये की जब्ती की गई थी। उसी प्रकरण में सादिक खान फरार चल रहा था, जिसे अब तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर नागपुर से धर दबोचा गया।

तकनीकी जांच से खुली परतें : पुलिस टीम ने मोबाइल लोकेशन और साइबर इनपुट के जरिए आरोपी की लोकेशन ट्रैक की। इसके बाद विशेष टीम नागपुर पहुंची और उसे हिरासत में लेकर राजनांदगांव लाई। पूछताछ में आरोपी ने सट्टा नेटवर्क संचालित करने और कऊबेचने की बात स्वीकार की है। उसके कब्जे से एप्पल कंपनी का मोबाइल भी जब्त किया गया है।

ऑनलाइन सट्टा: बढ़ता खतरा, सख्त कार्रवाई जारी -पुलिस का कहना है कि क्ढछ जैसे आयोजनों के दौरान ऑनलाइन सट्टा तेजी से फैलता है। ऐसे नेटवर्क पर लगातार निगरानी रखी जा रही है और आने वाले दिनों में और भी सख्त कार्रवाई की जाएगी।

कड़े कानूनों के तहत कार्रवाई

मामले में थाना बसंतपुर में छत्तीसगढ़ जुआ प्रतिषेध अधिनियम की धाराओं के साथ भारतीय न्याय संहिता और आईटी एक्ट के तहत अपराध दर्ज किया गया है। आरोपी को न्यायालय में पेश कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया है।

साइबर सेल की सटीक रणनीति

पूरी कार्रवाई पुलिस अधीक्षक अंकिता शर्मा के निर्देशन और वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में की गई। साइबर सेल और बसंतपुर थाना की संयुक्त टीम ने तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर इस हाईटेक सट्टा गिरोह की कमर तोड़ दी है।

महात्मा फुले शताब्दी की समिति में साहित्यकार नीरजा माधव मनोनीत

नई दृष्टिबिंदु / नईदिल्ली

भारत के राष्ट्रपति द्वारा सर्वोच्च महिला नागरिक सम्मान नारी शक्ति पुरस्कार 2021 से सम्मानित एवं देश की जानी-मानी साहित्यकार डॉ नीरजा माधव प्रधानमंत्री के चेयरमैनशिप के अंतर्गत बनी उच्च स्तरीय समिति की सदस्य बनाई गई हैं। यह समिति प्रधानमंत्री के नेतृत्व में महात्मा ज्योतिबा फुले के दो सौवीं जन्म जयंती के उपलक्ष्य में दो वर्षीय राष्ट्रव्यापी कार्यक्रमों के क्रियान्वयन हेतु बनाई गई है।

प्रधानमंत्री करेंगे उच्च स्तरीय समिति की अध्यक्षता

यह सूचना नीरजा माधव को भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय, नई दिल्ली, के संयुक्त सचिव की ओर से प्राप्त हुई है। ज्ञातव्य है कि राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी साहित्यिक पहचान बना चुकीं नीरजा माधव को भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय, नई दिल्ली के बुक प्रमोशन काउंसिल में भी लेखक सदस्य के रूप में नामित किया गया है। साथ ही वे उत्तर प्रदेश सरकार के द्वारा कबीर अकादमी की शासी सदस्य भी बनाई गई हैं। इसके पूर्व वे भारत सरकार द्वारा एनबीटी की न्यासी सदस्य भी रह चुकी हैं। उनके उपन्यास और कहानियां विभिन्न विश्वविद्यालयों और राज्य बोर्ड के पाठ्यक्रमों में शामिल किए गए हैं। डॉ नीरजा माधव के साहित्य पर देशभर के विश्वविद्यालयों में शोध कार्य हुए हैं और हो रहे हैं।

वीरांगनाओं का रुप धरी भिलाई की स्वयं सिद्धा

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

कुछ अभिनव था यहां। यह कार्यक्रम कई मायनो में अलग था। हम वर्तमान में नहीं बल्कि इतिहास के पन्नों पर विचर रहे थे और हमारे चारों तरफ स्वतंत्रता संग्राम की मशाल प्रज्वलित थी। पूरा सभागार भारत माता की जय,वंदे मातरम, जयहिंद और हर हर महादेव के नारों से गूंज रहा था और इतिहास की भूली बिसरी वीरांगनाएं जिनमे रानी चेन्नम्मा, दुर्गावती, अब्बाका चौटा, वेलु नाचीयार से लेकर कल्पना दत्त, मातंगिनी हाजरा, बीबी दलेर कौर, तारा देवी, प्रीतीलता वादेदार तक अपने संग्राम और शहादत की कहानियाँ सुना रही थी। सभागार में देशभक्ति की लहर भरी हुई थी और लोग अपने स्थान से उठकर भारत माता की जय पुकार रहे थे।

यह मौका था छत्तीसगढ़ की अग्रणी महिला संस्था स्वयंसिद्धा के 16वें स्थापना दिवस कार्यक्रम का जो एसएनजी ऑडिटोरियम में शनिवार शाम को मनाया गया। इस कार्यक्रम में कविताओं के मंचन ने सबको अभिभूत कर दिया गया। स्त्री मन के सपने,संघर्ष, दुविधाओं को कविताओं के माध्यम से दिखाया गया। संस्था की निदेशक डॉ. सोनाली चक्रवर्ती द्वारा लिखित कविताओं पर प्रख्यात तबला वादक रविंद्र कमर्कार के तबला वादन ने चार चांद लगा दिए।

मधु देवांगन के नृत्य निर्देशन में शिल्पी शर्मा, लक्ष्मी साहू, ज्योति गांधी, बिंदु नायक, और रतना दुफारे ने सपनों के भाव बनकर नृत्य प्रस्तुत किया जिसकी दशर्कों ने भूरी भूरी प्रशंसा की। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि शशांक शर्मा छत्तीसगढ़ साहित्य अकादमी के अध्यक्ष थे। उन्होंने अपने उद्बोधन में संस्था के कार्यो को सराहते हुए भाषा पर चलाए जा रहे अभियान की प्रशंसा की और कहा कि आजकल संसद में भी भाषा की मर्यादा बनाए रखने पर जोर दिया जाता है। स्वयंसिद्धा का यह अभियान प्रशंसनीय है। कार्यक्रम के विशेष अतिथि वरिष्ठ पत्रकार जितेंद्र शर्मा, प्रदीप भट्टाचार्य, उत्पल दत्त, वरिष्ठ महाप्रबंधक,भिलाई इस्पात संयंत्र, भिलाई के महापौर नीरज पाल, सीजू एंथोनी एवं डॉ. श्रुतिका यादव थी।

"अब बेटी के नाम से जानी जाएगी माँ" सम्मान के अंतर्गत डॉ. राजर्षि मिश्रा, राजयोगिनी ब्रह्माकुमारी आशा दीदी, लोक कलाकार जोशी बहने, रीना दाम, श्रीमती अमरजीत कौर को सम्मानित किया गया। 'वीरांगना' नृत्य में, रुमा डे के नृत्य निर्देशन में रीता वैष्णव, सुदेशना वर्धन, राजश्री नायर और कमल चक्रवर्ती ने प्रस्तुति देकर सबकी प्रशंसा लूटी। रुखसाना शेख, संगीता जायसवाल, बैजाबाई शिंदे-रीता वैष्णव, हेमा राय, वैशालीनी, अनामिका कपूर, शोमाली शर्मा, आर.राधा, राजकुमारी कनोजे, वन्दना नाडमवार, शीला प्रकाश, हर्षा रामटेके, नमीता त्रिपाठी, बनानी मायती, रुपाली पटेल, गीता चौधरी, श्रुति तिवारी, सीमा लदेर, पूणिर्मा लाल ने बेहतरीन अभिनय किया।

इन संस्थाओं को उल्लेखनीय सामाजिक कार्य के लिए सम्मानित किया गया। इंजीनियर्स एसोसिएशन, माइलस्टोन, प्रिज्म ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस, फाउंडेशन प्ले स्कूल, स्वामी श्री स्वरूपानंद सरस्वती महाविद्यालय, संतोष राय इंस्टीट्यूशन, दुर्ग ट्रैफिक पुलिस, रक्षा टीम, नारी समन्वय मंच, छत्तीसगढ़, संकट मोचन हनुमान मंदिर समिति, महिला इकाई, प्रगति नगर, रिसाली, अयोध्या वेबसाइट रिसाली भिलाई, श्रृंखला फाउंडेशन ममता यादव, मातृशक्ति महिला समिति हुडको, साहू समाज, महिला प्रकोष्ठ, महाराष्ट्र मंडल सेक्टर 4, महाराष्ट्र मंडल हुडको, ईश्वर कृपा सेवा भाव समूह, ब्रह्महर्षी भूमिहार ब्राह्मण महिला समाज, संपूर्णा महिला समिति तालपुरी, संयुक्त महिला समिति, वॉइस ऑफ छत्तीसगढ़ भिलाई, जीजाबाई महिला समिति भिलाई, सखी मंच, वैशाली नगर, नव उपासना महिला समिति सेक्टर -5 शामिल हैं।

कार्यक्रम का संचालन देबजानी मजूमदार और माधुरी बिजोरिया ने किया। धन्यवाद ज्ञापन संदीप चक्रवर्ती ने किया। कार्यक्रम में विशेष सहयोग सत्या पांडे, लव कुमार चौधरी, अरविंद वैष्णव, गीता चौधरी, पुनीता कौशल, रीता वैष्णव, ज्योति सिंह, संध्या तिवारी, कुदसिया अली, संगीता जायसवाल, राजश्री नायर, अनिल जायसवाल, रूपाली पटेल, वंदना नाडंबर, वर्षा कुमारी, डॉ. कृतिका वैष्णव, डॉ. अक्षुणा वैष्णव, राजकुमारी कनोजे, संगीता मिश्रा, हतेश कुमार मिथिलेश, प्रताप सिंह, प्रशांत गुप्ता, देव साहू, खिलेश्वर देवांगन योगेश कुमार, सूरज का रहा।

भिलाई में स्वास्थ्य विभाग की टीम ने 109 व अहिवारा में 40 घरों का किया भ्रमण

नहीं मिले पीलिया के नये मरीज

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

वार्ड-67 सेक्टर 7 पश्चिम सड़क 37 ए भिलाई नगर में पीलिया के मरीजों की जानकारी होने पर आज दिनांक 17 अप्रैल 2026 को डॉ. मनोज दानी, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, दुर्ग एवं डॉ. सी.बी.एस. बंजारे, जिला सर्वेलेंस अधिकारी, दुर्ग के मार्गदर्शन में विजय सेजुले, सुपरवाईजर, हितेन्द्र कोसरे, बीईटीओ एवं स्थानीय स्वास्थ्य कार्यकर्ता एवं मितानिनों के साथ प्रभावित क्षेत्र का भ्रमण किया गया है।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. दानी से प्राप्त जानकारी अनुसार आज प्रभावित क्षेत्र में स्वास्थ्य विभाग की टीम ने 109 घरों का भ्रमण किया गया, जिसमें कोई भी पीलिया से ग्रसित नए मरीज नही मिले। उक्त संक्रमित क्षेत्र में पूर्व के कुल 37 पीलिया के मरीज है। जिनमें से 02 पुराने मरीज शंकराचार्य इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साईंस, भिलाई में उपचाररत है तथा 01 पुराना जिला चिकित्सालय का मरीज डिस्चार्ज हुए, इस प्रकार कुल भर्ती मरीज 02 है। उक्त प्रभावित क्षेत्र में नगर निगम भिलाई की मोबाइल मेडिकल यूनिट द्वारा लक्षणयुक्त मरीजों की (सीबीसी/एलटीएफ/आरटीएफ/विडाल) व अन्य आतिआवश्यक जाचं की जा रही है, वर्तमान में स्थिति नियंत्रण में है।

इसी प्रकार विकासखण्ड धमधा अंतर्गत 16 अप्रैल को वार्ड नं-05,06,07 अहिवारा में पीलिया की मरीजों की जानकारी होने पर 17 अप्रैल को डॉ. मनोज दानी मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी के निर्देशानुसार डॉ.सी.बी.एस.बंजारे जिला सर्वेलेंस अधिकारी दुर्ग, रितिका सोनवानी जिला महामारी विशेषज्ञ जिला दुर्ग, खण्ड चिकित्सा अधिकारी डॉ. रचना अग्रवाल एवं विकासखण्ड कार्यक्रम प्रबंधक श्रीमती रिचा मेश्राम गोविंद सिंह उद्दे बी.ई.टी.ओ. के द्वारा एवं बलराम वर्मा सुपरवाइजर, स्वास्थ्य कार्यकर्ता एवं मितानिनों के साथ 40 घरों का भ्रमण किया गया जिसमें कोई भी नये पीलिया से ग्रसित मरीज नही मिले। इस प्रकार उक्त संक्रमित क्षेत्र में 04 अप्रैल से आज दिनांक 17 अप्रैल 2026 तक कुल 12 पीलिया के मरीज है। जिसमें से आज दिनांक तक कुल 06 मरीज विभिन्न अस्पतालों में भर्ती किये गए। इस प्रकार वर्तमान में उक्त प्रभावित क्षेत्र से कुल 03 मरीज (02 सामु.स्वा. केन्द्र अहिवारा व 01 शंकराचार्य कॉलेज जुनवानी दुर्ग) में उपचार ले रहे है। वर्तमान में जिनकी स्थिति सामान्य है। आज प्रभावित क्षेत्र से कुल 07 पानी जॉच हेतु सैम्पल चंदूलाल चंद्राकर मेडिकल कॉलेज कचान्दुर दुर्ग भेजा गया एवं नगर पालिका अहिवारा द्वारा पाईप लाईन की मरम्मत की जा रही है व आवश्यकतानुसार लक्षण युक्त मरीजों का (सीबीसी/एलटीएफ/आरटीएफ/विडाल) व अन्य अति आवश्यक जांच की जा रही है, वर्तमान में स्थिति पूणर्ता नियंत्रण में है।

पीलिया हेतु पीलिया प्रदूषित जल व भोजन से फैलने वाला संक्रामक रोग है जो विषाणुओं के संक्रमण से होता है। विषाणुओं के शरीर में प्रवेश करने के 15 से 50 दिनों के भीतर बीमारी के लक्षण प्रगट होते है। पीलिया के प्रमुख लक्षण भूख न लगना, पीले रंग की पेशाब होना, भोजन का स्वाद न आना, उल्टी लगना या होना, सिर में दर्द होना एवं कमजोरी तथा थकावट का अनुभव करना, पेट के दाहिने तरफ उपर की ओर दर्द होना, आंखे व त्वचा का रंग पीला होना है।

खास खबर

भिलाई में 25 अप्रैल से जिला स्तरीय अंडर 7 और 11 शतरंज चैंपियनशिप का आयोजन

भिलाई/ दुर्ग। प्रदेश शतरंज संघ के मार्गदर्शन में जिला शतरंज संघ दुर्ग द्वारा मनसा कॉलेज ऑफ एजुकेशन भिलाई के सहयोग से 25 एवं 26 अप्रैल को जिला स्तरीय अंडर 7 एवं अंडर 11 शतरंज चैंपियनशिप का आयोजन कुरूद भिलाई स्थित मनसा कॉलेज में किया गया है।

जिला शतरंज संघ दुर्ग के अध्यक्ष ईश्वर सिंह राजपूत एवं सचिव तुलसी सोनी ने बताया कि उक्त स्पर्धा में अंडर 7 एवं अंडर 11 के प्रथम , द्वितीय एवं तृतीय स्थान पर आने वाले प्रतिभागियों को ट्रॉफी एवं भाग लेने वाले सभी प्रतिभागियों को मेडल देकर सम्मानित किया जाएगा व ई सर्टिफिकेट दिया जायेगा। राज्य चैम्पियनशिप के लिए चयनित खिलाड़ियों की फीस संघ द्वारा वहन किया जाएगा । प्रतियोगिता अंतर्राष्ट्रीय नियमों के आधार पर 6 राउंड में खेली जाएगी। स्पर्धा में प्रवेश शुल्क तीन सौ रुपए एवं प्रवेश की अंतिम तिथि 22 अप्रैल तक निर्धारित है। स्पर्धा के मुख्य निर्णायक इंटरनेशनल आर्बिटर रॉकी देवांगन एवं तकनीकी सहायक फीडे आर्बिटर अनिल शर्मा होंगे।

भिलाई-दुर्ग के औद्योगिक क्लस्टर में वायु और जल प्रदूषण एक गंभीर समस्या - डॉ. प्रतीक उमरे

दुर्ग। दुर्ग नगर निगम के पूर्व एल्डरमैन भाजपा नेता डॉ. प्रतीक उमरे ने केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अध्यक्ष वीर विक्रम यादव से भिलाई- दुर्ग के औद्योगिक क्लस्टर में वायु एवं जल प्रदूषण की गंभीर समस्या पर संज्ञान लेने की मांग किया है। डॉ. प्रतीक उमरे ने कहा कि भिलाई-दुर्ग औद्योगिक क्लस्टर राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम के अंतर्गत नॉन-अटेनमेंट सिटी घोषित होने के बावजूद वायु और जल प्रदूषण दिन-प्रतिदिन बढ़ रहा है। भिलाई स्टील प्लांट, फेरो-अलॉय, स्पॉन्ज आयरन, सीमेंट और अन्य भारी उद्योगों के कारण ढट10 और ढट2.5 का स्तर अक्सर राष्ट्रीय मानकों से अधिक रहता है। कोयला परिवहन, सड़क धूल और औद्योगिक उत्सर्जन भी मुख्य कारण हैं।

डॉ. प्रतीक उमरे ने कहा कि जीवनदायिनी शिवनाथ नदी आज सीवेज और औद्योगिक अपशिष्ट से बुरी तरह दूषित हो चुकी है। नदी में अनुपचारित गंदा पानी गिरने से पीने के पानी के स्रोत, कृषि और मछली पालन प्रभावित हो रहे हैं। राष्ट्रीय हरित अधिकरण ने जनवरी 2026 में स्पष्ट आदेश दिए थे कि शिवनाथ नदी में मिलने वाले दोनों मुख्य ड्रेन पर सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट का निर्माण 6 महीने के अंदर पूरा किया जाए, लेकिन निर्माण में अनावश्यक देरी हो रही है।भूजल प्रदूषण की समस्या भी गंभीर है। भारी उद्योगों से आयरन, नाइट्रेट और अन्य भारी धातुओं की सांद्रता बढ़ रही है तथा अत्यधिक निकासी से जल स्तर तेजी से गिर रहा है।इससे स्थानीय निवासियों में श्वसन रोग, त्वचा संबंधी बीमारियां और अन्य स्वास्थ्य समस्याएं बढ़ रही हैं।

किसानों की फसलें प्रभावित हो रही हैं और पर्यावरणीय संतुलन बिगड़ रहा है।डॉ. प्रतीक उमरे ने केंद्र की मोदी सरकार की पर्यावरण संरक्षण नीतियों और छत्तीसगढ़ में भाजपा सरकार के प्रयासों का समर्थन करते हुए कहा कि विकास और पर्यावरण दोनों साथ-साथ चल सकते हैं।लेकिन भिलाई-दुर्ग जैसे औद्योगिक हब में प्रदूषण नियंत्रण की जिम्मेदारी पूरी तरह निभाया जाना आवश्यक है।उन्होंने मांग किया है कि सभी उद्योगों में ई एसपी, बैग फिल्टर, वेट स्क्रबर जैसे प्रदूषण नियंत्रण उपकरण अनिवार्य करें और नियमित ऑडिट कराएं। कोयला परिवहन पर कवर सिस्टम और सड़क धूल दमन को प्रभावी बनाएं।उद्योगों और आवासीय क्षेत्रों के बीच बफर जोन तथा ग्रीन बेल्ट विकसित करें।एनजीटी के जनवरी 2026 आदेश के अनुसार शिवनाथ नदी पर दोनों सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट का निर्माण तीन महीने के अंदर पूरा करें और अंतरिम उपचार व्यवस्था तुरंत लागू करें।नदी किनारे निगरानी समिति गठित करें जिसमें स्थानीय नागरिक प्रतिनिधि शामिल हो।एनसीएपी फंड का शेष राशि का पूर्ण उपयोग करें और स्रोत अपोर्शनमेंट स्टडी के आधार पर ठोस एक्शन प्लान लागू करें।भूजल संरक्षण के लिए रेन वाटर हार्वेस्टिंग अनिवार्य करें और ओवर-एक्सट्रैक्शन पर सख्ती बरतें।

आंगनबाड़ी सहायिका पद के लिए ऑनलाइन आवेदन 20 अप्रैल से

दुर्ग। एकीकृत बाल विकास परियोजना भिलाई 02 के अंतर्गत स्वीकृत पदों की पूर्ति हेतु 20 अप्रैल से 04 मई 2026 तक ई-भर्ती पोर्टल https://aww.e-bharti.in/ पर आंगनबाड़ी केन्द्र हथखोज-ब वार्ड क्रमांक -02 में आंगनबाड़ी सहायिका के लिए ऑनलाईन आवेदन आमंत्रित किया गया है। अधिक जानकारी के लिए एकीकृत बाल विकास परियोजना भिलाई 02 में कार्यालयीन समय में संपर्क कर सकते हैं।

केंद्रीय मंत्री के नाम पर खेल : कथित पत्रकार ने सिस्टम को बनाया निशाना

उगाही केस के बाद फरार

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

शहर में सामने आया एक चौंकाने वाला मामला न सिर्फ स्वास्थ्य व्यवस्था की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर रहा है, बल्कि यह भी दिखा रहा है कि कैसे एक व्यक्ति ने कथित प्रभाव और फर्जी दावों के सहारे पूरे सिस्टम को झुकाने की कोशिश की। ब्लैकमेलिंग और उगाही के आरोप में मामला दर्ज होने के बाद आरोपी फरार है और पुलिस उसकी तलाश में जुटी है।

मामला कथित पत्रकार गुरमीत सिंह वाधवा से जुड़ा है, जिसने खुद को फोर्ब्स इंटरनेशनल नामक मैगजीन का मैनेजिंग एडिटर बताते हुए बड़ा खेल रचने की कोशिश की। उसने 28 नवंबर 2025 को केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा के नाम का हवाला देते हुए राज्य के मुख्य सचिव को पत्र लिखा और दावा किया कि उसे छत्तीसगढ़ के हर जिले में पांच-पांच अस्पतालों की जांच का जिम्मा सौंपा गया है। इसी कथित अधिकार के आधार पर उसने भिलाई के एसबीएस अस्पताल पर गंभीर आरोप लगाए और कार्रवाई की मांग की। हैरानी की बात यह रही कि इस पत्र के आधार पर स्वास्थ्य विभाग हरकत में आ गया और जांच भी बैठा दी गई।

जांच के नाम पर उगाही का आरोप

एसबीएस अस्पताल प्रबंधन ने 15 अप्रैल को एफआईआर दर्ज कर आरोप लगाया कि वाधवा ने पांच लाख रुपये की मांग की थी। रकम नहीं देने पर उसने आरटीआई लगाने और बदनाम करने की धमकी दी। शिकायत में यह भी कहा गया कि आरोपी पहले मुफ्त में लगाए गए इंजेक्शन का बिल मांगता रहा और बाद में उसी बिल को फर्जी बताकर दबाव बनाने लगा। यहां तक कि अस्पताल प्रबंधन के चेंबर में घुसकर अभद्रता करने का भी आरोप है। एफआईआर दर्ज होने के बाद से आरोपी फरार है। पुलिस ने उसकी तलाश के लिए विशेष टीम गठित की है।

जांच में निकली 'हवा'

सीएमएचओ दुर्ग द्वारा गठित टीम ने जब जांच की, तो वाधवा के सभी आरोप पूरी तरह निराधार निकले। अस्पताल में सभी सुविधाएं मानकों के अनुरूप पाई गईं और मामले को क्लीन चिट देते हुए बंद कर दिया गया। यहीं से पूरे घटनाक्रम की असल परतें खुलनी शुरू हुईं।

फर्जी पहचान, संदिग्ध नेटवर्क

जांच में यह भी सामने आया कि वाधवा द्वारा उपयोग किए गए लेटरहेड और संपर्क नंबर भी संदिग्ध हैं। दिए गए पांच में से चार नंबर बंद मिले, जबकि एक नंबर किसी महिला का निजी नंबर निकला। इससे पूरे नेटवर्क की विश्वसनीयता पर सवाल और गहरा गया है।

सिस्टम पर उठे बड़े सवाल

इस पूरे प्रकरण ने कई असहज सवाल खड़े कर दिए हैं—क्या केवल किसी केंद्रीय मंत्री का नाम लेना ही विभागीय कार्रवाई के लिए पर्याप्त है? क्या बिना सत्यापन के जांच बैठाना सिस्टम की मजबूरी है या लापरवाही? और क्या यह महज एक व्यक्ति का कारनामा है या इसके पीछे कोई बड़ा संगठित खेल छिपा है?

फरार आरोपी की तलाश जारी- सुखनंदन राठौर

मामले में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शहर सुखनंदन राठौर ने कहा कि आरोपी के खिलाफ उगाही और धमकी से संबंधित धाराओं में अपराध दर्ज किया गया है। आरोपी फिलहाल फरार है, उसकी गिरफ्तारी के लिए टीम गठित कर लगातार दबिश दी जा रही है। जल्द ही उसे गिरफ्तार कर लिया जाएगा। मामले की हर पहलू से जांच की जा रही है, यदि इसमें किसी और की संलिप्तता सामने आती है तो उसके खिलाफ भी सख्त कार्रवाई की जाएगी।

'तत्परता' या 'भ्रमित व्यवस्था'?

जिस तेजी से एक संदिग्ध पत्र पर कार्रवाई हुई, उसने स्वास्थ्य विभाग की कार्यप्रणाली को कटघरे में खड़ा कर दिया है। यह मामला इस बात का संकेत है कि प्रभाव का भय दिखाकर सिस्टम को किस हद तक मोड़ा जा सकता है।

फिलहाल पुलिस जांच जारी है, लेकिन यह घटनाक्रम साफ संकेत दे रहा है कि यदि ऐसे फर्जी प्रभाव और दबाव के खेल पर समय रहते रोक नहीं लगी, तो व्यवस्था को गुमराह कर बड़े स्तर पर खेल खेले जा सकते हैं।

देश उबल रहा है : 13 राज्यों में लू का रेड अलर्ट, दुर्ग-भिलाई में 42°C पार

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग-भलाई-नईदिल्ली

अप्रैल अभी आधा ही बीता है, लेकिन गर्मी ने पूरे देश को झुलसाना शुरू कर दिया है। हालात इतने भयावह हैं कि भारत मौसम विज्ञान विभाग ने एक साथ 13 राज्यों में लू का अलर्ट जारी कर दिया है। सबसे ज्यादा मार मध्य भारत पर पड़ रही है, जहां छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश तपते तवे में तब्दील हो चुके हैं।

छग-मप्र बना हॉट जोन

राजनांदगांव, बिलासपुर, नागपुर और चंद्रपुर जैसे शहरों में पारा 40 से 43 डिग्री के पार पहुंच चुका है। ओडिशा, झारखंड और पश्चिम बंगाल के कई इलाके भी भट्ठी की तरह तप रहे हैं। राजस्थान के बाड़मेर में तापमान 43 डिग्री के करीब पहुंचने की चेतावनी है, जबकि महाराष्ट्र और दक्षिण भारत के कई शहर भी 40 डिग्री पार कर चुके हैं।

दुर्ग-भिलाई : दोपहर में आग बरस रहा

दुर्ग-भिलाई में रविवार को तापमान 39 से 42 डिग्री के बीच रहने का अनुमान है। दोपहर 3 बजे तक पारा 41.7त्ड तक पहुंच सकता है, जबकि फील्स लाइक तापमान 45-46°C तक महसूस होगा। UV इंडेक्स 11, (एक्सट्रीम): 5-10 मिनट में त्वचा झुलसने का खतरा, हवा गुणवत्ता 111: संवेदनशील लोगों के लिए अस्वस्थ, नमी 18-24%: सूखी गर्मी, लू का खतरा और ज्यादा, स्पष्ट है—धूप अब सिर्फ असहज नहीं, खतरनाक हो चुकी है।

लू क्यों बन रही जानलेवा?

जब तापमान 40°C के पार और नमी कम होती है, तो शरीर तेजी से पानी और नमक खो देता है। यही स्थिति हीट स्ट्रोक को जन्म देती है, जिसमें शरीर का तापमान 104°F से ऊपर पहुंच सकता है और सीधे दिमाग पर असर डालता है।

सबसे ज्यादा खतरे में कौन?

बच्चे, बुजुर्ग, मजदूर, किसान और सड़क पर काम करने वाले लोग। डॉक्टरों का कहना है कि दोपहर 11 से शाम 4 बजे के बीच बाहर निकलना सीधा जोखिम है। IMD के मुताबिक 20-21 अप्रैल के आसपास हल्की बारिश या बादल छा सकते हैं, जिससे तापमान 1-2 डिग्री गिर सकता है। लेकिन यह राहत अस्थायी होगी—मई-जून में गर्मी का असली कहर बाकी है।

प्रशासन अलर्ट, खतरा बरकरार

जिला प्रशासन ने स्कूलों के समय में बदलाव और आंगनबाड़ी केंद्रों में डफ्र रखने के निर्देश दिए हैं। लेकिन सवाल यह है—क्या सिर्फ निर्देश काफी हैं, जब तापमान जीवन के लिए खतरा बन चुका है?

सीधी चेतावनी

यह सामान्य गर्मी नहीं है। यह वो दौर है जहां लापरवाही जानलेवा साबित हो सकती है। धूप से बचाव अब विकल्प नहीं, मजबूरी है। गर्मी ने दस्तक नहीं दी—सीधा हमला कर दिया है। अब बचाव ही एकमात्र रास्ता है।

नारी शक्ति वंदन अधिनियम के समर्थन में भिलाई में महिला मोर्चा ने निकाली रैली

मार्ग में महिला कार्यकर्ताओं का उत्साह देखने योग्य रहा, दुर्ग महिला मोर्चा की भी रही सक्रिय सहभागिता

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

नारी शक्ति वंदन अधिनियम 2026 के समर्थन में भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा भिलाई द्वारा भव्य स्कूटी रैली का आयोजन किया गया। इस रैली में दुर्ग महिला मोर्चा की भी सक्रिय सहभागिता रही।

रैली भिलाई जिला भाजपा कार्यालय से प्रारंभ होकर सुपेला चौक, गदा चौक, इंदिरा चौक, बघवा चौक, मौर्य टॉकीज एवं आकाश गंगा मार्ग से होते हुए पुनः जिला भाजपा कार्यालय में संपन्न हुई। पूरे मार्ग में महिला कार्यकर्ताओं का उत्साह देखने योग्य रहा। इस अवसर पर भिलाई जिला भाजपा अध्यक्ष पुरुषोत्तम देवांगन, दुर्ग जिला भाजपा अध्यक्ष सुरेंद्र कौशिक, अहिवारा विधायक डोमन लाल कोर्सेवडा, जिला पंचायत अध्यक्ष सरस्वती बंजारे, महामंत्री सुषमा जेठानी, महिला मोर्चा प्रदेश मंत्री कुमुद बघेल, महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष स्वीटी कौशिक, दुर्ग जिला महिला मोर्चा अध्यक्ष तृप्ति चंद्राकर एवं युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष सौरभ जायसवाल सहित अनेक पदाधिकारी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के दौरान महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष स्वीटी कौशिक ने कहा कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम महिलाओं को सशक्त बनाने की दिशा में एक ऐतिहासिक पहल है। उन्होंने बताया कि यह अधिनियम महिलाओं की नीति निर्माण और राजनीतिक नेतृत्व में भागीदारी सुनिश्चित करेगा। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में इस पहल को देश की मातृशक्ति के सम्मान से जोड़ते हुए इसे लोकतांत्रिक व्यवस्था को मजबूत करने वाला कदम बताया।

उन्होंने आगे कहा कि यह अधिनियम केवल एक कानून नहीं, बल्कि देश की करोड़ों महिलाओं के संघर्ष, समर्पण और उपलब्धियों का सम्मान है। इससे महिलाओं को सम्मान, सुरक्षा, सुविधा और समृद्धि के नए अवसर मिलेंगे तथा विकसित भारत के निर्माण में उनकी भूमिका और अधिक मजबूत होगी। रैली में भिलाई और दुर्ग के महिला मोर्चा के जिला एवं मंडल स्तर के पदाधिकारी और कार्यकर्ता बड़ी संख्या में शामिल हुए।

दो दशक बाद बीएसपी में स्कूल में फिर शुरु हुई सेफ्टी क्विज

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

सेल-बीएसपी के सुरक्षा अभियांत्रिकी विभाग द्वारा स्कूली विद्यार्थियों में सुरक्षा के प्रति जागरूकता को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से सेक्टर-10 स्थित बीएसपी सीनियर सेकेंडरी स्कूल में कक्षा 9वीं एवं 10वीं के विद्यार्थियों के लिए सेफ्टी क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। उल्लेखनीय है कि इस प्रकार का आयोजन दो दशक से अधिक समय के अंतराल के बाद पुनः प्रारंभ किया गया है।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मुख्य महाप्रबंधक देबदत्त सत्पथी, महाप्रबंधक प्रभारी एसके अग्रवाल एवं महाप्रबंधक श्रीमती शिखा दुबे उपस्थित रहीं, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में प्राचार्य श्रीमती सुमिता सरकार की उपस्थिति रही। इस सेफ्टी क्विज में लगभग 500 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतियोगिता में अग्नि सुरक्षा, सड़क सुरक्षा, कार्यस्थल सुरक्षा, एगीनॉमिक्स, विद्युत सुरक्षा एवं पर्यावरण जागरूकता जैसे विविध विषयों को शामिल किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ पारंपरिक दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ, जिसके पश्चात विद्यार्थियों द्वारा सुमधुर कोरस प्रस्तुति दी गई। स्वागत गीत की प्रस्तुति विद्यार्थियों के साथ डॉ. सुधीर सिंह एवं सुश्री स्वप्ना अवस्थी, व्याख्याता द्वारा दी गई।

अपने संबोधन में मुख्य महाप्रबंधक देबदत्त सत्पथी ने दो दशक बाद इस पहल के पुनरारंभ पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि सुरक्षा केवल औद्योगिक क्षेत्रों तक सीमित नहीं है, बल्कि घर, सड़क एवं खेल के मैदानों में भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। उन्होंने विद्यार्थियों को जिम्मेदार नागरिक एवं भविष्य के नेतृत्वकर्ता के रूप में सुरक्षा मूल्यों को अपने जीवन का अभिन्न अंग बनाने के लिए प्रेरित किया तथा विद्यालय एवं आयोजन टीम के समन्वित प्रयासों की सराहना की।

महाप्रबंधक प्रभारी एस. के. अग्रवाल ने अपने उद्बोधन में कहा कि सुरक्षा को केवल नियमों तक सीमित न रखते हुए इसे व्यक्तिगत आदत के रूप में विकसित करना आवश्यक है। उन्होंने विद्यालय में, सड़क, घर एवं डिजिटल माध्यम जैसे चार प्रमुख परिवेशों में सुरक्षा के महत्व को रेखांकित करते हुए विद्यार्थियों को कॉरिडोर में न दौड़ने, प्रयोगशाला नियमों का पालन करने, हेलमेट एवं सीट बेल्ट का उपयोग करने, बिजली एवं आग से सतर्क रहने तथा सोशल मीडिया पर जिम्मेदारीपूर्वक व्यवहार करने की सलाह दी। उन्होंने चेतावनी दी कि एक क्षण की लापरवाही जीवनभर की समस्या बन सकती है।

प्राचार्य श्रीमती सुमिता सरकार ने अपने वक्तव्य में कहा कि सुरक्षा को अक्सर किसी दुर्घटना के बाद ही गंभीरता से लिया जाता है, जबकि इसे निरंतर अभ्यास के माध्यम से जीवनशैली का हिस्सा बनाना चाहिए। उन्होंने विशेष रूप से डिजिटल सुरक्षा पर बल देते हुए अज्ञात ऑनलाइन संपर्कों से जुड़े जोखिमों के प्रति विद्यार्थियों को सचेत किया। साथ ही उन्होंने आयोजकों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए विश्वास जताया कि यह क्विज विद्यार्थियों में वास्तविक जीवन की परिस्थितियों में सुरक्षा संबंधी निर्णय लेने की क्षमता को सुदृढ़ करेगा।

कार्यक्रम का समन्वय सहायक महाप्रबंधक अजय टह्लू , उप-प्रबंधक अरिजीत रॉय, सहायक-प्रबंधक अखिल मिश्रा एवं जूनियर इंजीनियरिंग असोसिएट लक्ष्मी देवांगन द्वारा किया गया। मंच संचालन वरिष्ठ व्याख्याता आर. सिसिली दिनकर ने किया, जबकि विद्यालय के समस्त स्टाफ ने प्राचार्य श्रीमती सुमिता सरकार के नेतृत्व में कार्यक्रम के सफल संचालन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

संजय खंडेलवाल कार्यपालक निदेशक के पद पर हुए पदोन्नत

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

छत्तीसगढ़ स्टेट पावर ट्रांसमिशन कंपनी लिमिटेड द्वारा प्रशासनिक सुदृढ़ीकरण की दिशा में महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए मुख्य अभियंता संजय खंडेलवाल को कार्यपालक निदेशक (दुर्ग क्षेत्र) के पद पर पदोन्नत किया गया है। विभागीय पदोन्नति समिति की अनुशंसा पर जारी इस आदेश के तहत, संजय खंडेलवाल अब कार्यपालक निदेशक (दुर्ग क्षेत्र) के रूप में अपनी सेवाएँ देंगे। श्री खंडेलवाल सीएसपीडीसीएल दुर्ग क्षेत्र में मुख्य अभियंता के पद पर कार्यरत हैं और पदोन्नति के पश्चात भी वे दुर्ग में ही इस नई और महत्वपूर्ण जिम्मेदारी का निर्वहन करेंगे।

मुख्य अभियंता (मानव संसाधन) द्वारा तत्काल प्रभाव से जारी इस आदेश का दुर्ग क्षेत्र के अधिकारियों और कर्मचारियों ने हर्षोल्लास के साथ स्वागत किया है। संजय खंडेलवाल के व्यापक तकनीकी अनुभव और विशिष्ट कार्यशैली को देखते हुए यह विश्वास जताया जा रहा है कि उनकी इस नई भूमिका से दुर्ग रीजन की विद्युत वितरण व्यवस्था और अधिक सुदृढ़ एवं उपभोक्ता अनुकूल बनेगी। पदोन्नति की खबर मिलते ही रीजन के समस्त स्टाफ ने उन्हें उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएँ देते हुए बधाई दी है।

आवारा श्वान के नियंत्रण के लिए प्रदेश के सभी 33 जिलों में स्थापित होगा ऐनीमल बर्थ कन्ट्रोल सेन्टर : मंत्री नेताम

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

पशुधन विकास मंत्री रामविचार नेताम ने कहा कि पशु जन नियंत्रण (श्वान) के तहत आवारा श्वानों के नियंत्रण के लिए प्रदेश के सभी 33 जिलों में नगरीय निकायों के सहयोग से एनीमल बर्थ कन्ट्रोल सेन्टर स्थापित किया जायेगा। इन सेन्टरों में श्वान जन्म को नियंत्रित करने नसबंदी अभियान चलाया जायेगा, वही श्वान के काटने से होने वाले रैबीज बीमारी को रोकने श्वानों का टीकाकरण भी किया जायेगा। मंत्री श्री नेताम ने उक्त बातें मंत्रालय महानदी भवन में आयोजित विभागीय समीक्षा बैठक के दौरान कही।

पशुधन मंत्री श्री नेताम नें बैठक में कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में हमारी सरकार ने यह निर्णय लिया है कि जनजातीय क्षेत्रों के सभी महिला हितग्राहियों को दुधारू गाय दिया जायेगा इससे आय में वृद्धि होगी और महिलाएं आर्थिक रूप सशक्त होंगे। उन्होंने बताया कि मीठा और पौष्टिक आहार के साथ-साथ नियमित रूप से आय का साधन उपलब्ध कराने तथा दुग्ध उत्पादन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से पहले हमारी सरकार दुधारू गाय वितरण की योजना बस्तर क्षेत्र के जनजातीय महिलाओं के लिए प्रारंभ किया था। अब इसे विस्तार करते हुए राज्य में जनजातीय क्षेत्रों के सभी वर्गो के महिला हितग्राहियों को दुधारू गाय दिया जायेगा। इसके लिए राज्य सरकार एनडीडीबी से समझौता किया हुआ है। उन्होंने इस योजना के तहत ज्यादा से ज्यादा हितग्राहियों को लाभान्वित करने के निर्देश अधिकारियों को दिये।

मंत्री श्री नेताम ने बैठक में कहा कि प्रदेश के जलवायु के अनुकुल भारतीय नस्ल के अलग-

अलग किस्मों के गायों का वितरण किया जाना सुनिश्चित हो ताकि गौ-वंशी पशुओं के साथ-साथ दुग्ध उत्पादन में भी वृद्धि हो सके। हितग्राही मूलक योजनाओं के अंतर्गत प्रदान की जाने वाली पशु-पक्षियों को जरूरतमंद हितग्राहियों को चयन कर लाभान्वित भी किया जाना सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि पशुओं में होने वाले विभिन्न संक्रमण रोगों के नियंत्रण के लिए टीकाकरण अभियान चलाया जाए जिससे आकस्मिक होने वाले पशुधन हानि को रोका जा सके।

बैठक में अधिकारियों ने बताया कि गौधाम योजना के अंतर्गत राष्ट्रीय राजमार्ग एवं अन्य प्रमुख मार्गों में विचरण करने वाले घुमंतु गौ-वंशीय पशुओं के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए पशुओं को गौधामों में व्यवस्थापित किया जा रहा है। अधिकारियों ने बताया कि 36 गौधाम स्वीकृत कर 32 गौधाम पंजीकृत हो चुके है। अधिकारियों ने यह भी बताया कि पशु संवर्धन कार्यक्रम कृत्रिम गर्भाधान एवं वत्सोंत्पादन का बेहतर क्रियान्वयन किया जा रहा है। कृत्रिम गर्भाधान का क्षेत्र विस्तार हेतु परिवहन आदि का भी सुचारू व्यवस्था की जा रही है। इसके लिए बजट में पर्याप्त प्रावधान किये गये हैं। वहीं राष्ट्रीय गोकुल मिशन के तहत सेक्स शॉर्टेज सीमेंन से कृत्रिम गर्भाधान को बढ़ावा दिया जा रहा है। वर्ष 2026-27 में इसके लिए हितग्राही अंशदान में छूट दिए जाने का प्रावधान किया गया है।

मंत्री श्री नेताम ने कहा कि पशु दुर्घटना को रोकने तेजी के साथ गौधाम स्थापित कर वहां गौ-वंशों को व्यवस्थापित तथा कृत्रिम गर्भाधान को बढ़ावा देने के निर्देश अधिकारियों को दिए। इस बैठक में कृषि उत्पादन आयुक्त श्रीमती सहला निगार, संचालक पशु चिकित्सा सेवाएं चंद्रकांत वर्मा, कामधेनु विश्वविद्यालय के कुलपति सहित विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थें।

खास खबर

बॉक्स क्रिकेट मैदान आम नागरिकों और खिलाड़ियों के लिए खुला

नई दृष्टिबिंदु / महासमुंद

महासमुंद जिले के ब्लॉक महासमुंद अंतर्गत फारेस्ट ग्राउंड में तैयार किया गया बॉक्स क्रिकेट ग्राउंड विशेष सुविधा प्रदान करते हुए युवाओं और बच्चों को खेल के लिए प्रोत्साहित कर रहे हैं। अगस्त 2025 में पूर्ण होकर यह मैदान आम नागरिकों और खिलाड़ियों के लिए खोल दिया गया है।

पहले शहर में बड़े खेल मैदानों की कमी और गलियों में बढ़ती वाहनों की भीड़ के कारण बच्चों और खिलाड़ियों को क्रिकेट खेलने के लिए सुरक्षित और उपयुक्त स्थान नहीं मिल पाता था। निर्माण एजेंसी हाऊसिंग बोर्ड द्वारा निर्मित 4842 वर्ग फुट के सीमित क्षेत्र में विकसित यह बॉक्स क्रिकेट ग्राउंड एक अभिनव समाधान के रूप में सामने आया। यह स्थान की कमी को दूर करने के साथ ही आधुनिक सुविधाओं के साथ एक सुरक्षित खेल वातावरण भी प्रदान करता है।

बॉक्स क्रिकेट ग्राउंड में दो पालियों में सुबह 6 से 9 बजे तक और शाम 4 से 8 बजे तक संचालित इस ग्राउंड में स्कूली बच्चे, युवा और कामकाजी लोग अपनी सुविधा अनुसार खेल का आनंद ले रहे हैं। 15-20 मिनट के छोटे फॉर्मेट में खेले जाने वाले इस खेल ने व्यस्त जीवनशैली वाले लोगों को भी फिटनेस और मनोरंजन का बेहतर विकल्प दिया है। रात में फ्लडलाइट की सुविधा के कारण खिलाड़ी कार्य के बाद भी अभ्यास कर सकते हैं। ग्राउंड में फ्लोर मेट और चारों ओर मजबूत नेटिंग की व्यवस्था होने से खेल सुरक्षित हो गया है तथा गेंद खोने या आसपास की संपत्ति को नुकसान पहुंचने की संभावना भी समाप्त हो गई है। कम संख्या में खिलाड़ी भी आसानी से खेल सकते हैं, जिससे यह हर आयु वर्ग के लिए उपयुक्त बन गया है। लगभग 25.07 लाख रुपए की लागत से निर्मित इस परियोजना ने जिले में खेल अधोसंरचना को मजबूती दी है। यह युवाओं को खेल के प्रति प्रोत्साहित और अनुशासित कर रही है। एन.आई.एस. क्रिकेट कोच तृपेश कुमार साहू ने बताया कि बॉक्स क्रिकेट ग्राउंड में अभ्यास करने से समय की बचत होती है और खिलाड़ी कम समय में अधिक अभ्यास कर पाते हैं। इससे बच्चों की तकनीक में तेजी से सुधार हो रहा है और वे प्रतियोगिताओं के लिए बेहतर तरीके से तैयार हो रहे हैं।

विकास को नई रफ्तार : मंत्री अग्रवाल ने बनने वाले 120 मीटर लंबे पुल का किया भूमिपूजन

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ में आधारभूत संरचनाओं के सुदृढ़ीकरण का सिलसिला लगातार जारी है। इसी कड़ी में अम्बिकापुर विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत बड़गांव-पनगोती मार्ग पर स्थित भालू नाला पर पुल निर्माण एवं पहुँच मार्ग के कार्य का पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने विधिवत भूमिपूजन किया । लगभग 7 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित होने वाले इस पुल की लंबाई 120 मीटर तथा पहुँच मार्ग की लंबाई 362 मीटर होगी।

इस पुल के निर्माण से क्षेत्र में आवागमन की सुविधा में उल्लेखनीय सुधार होगा और विशेष रूप से बड़गांव, पनगोती सहित आसपास के कई गांवों के निवासियों को सीधा लाभ मिलेगा। अब तक बारिश के मौसम में बाधित

रहने वाला यह मार्ग पुल बनने के बाद वर्षभर सुगम और सुरक्षित रहेगा, जिससे स्थानीय जनजीवन और आर्थिक गतिविधियों को नई गति मिलेगी। उन्होंने इस अवसर पर कहा कि राज्य सरकार ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के संतुलित विकास के लिए प्रतिबद्ध है। सड़क और पुल जैसी आधारभूत सुविधाओं के विस्तार से न केवल कनेक्टिविटी मजबूत होती है, बल्कि शिक्षा, स्वास्थ्य और व्यापार के अवसर भी बढ़ते हैं।

ग्रामीण विकास को नई रफ्तार : 2426 किमी सड़क निर्माण का मुख्यमंत्री ने किया शिलान्यास

एक साथ 774 सड़कों का भूमिपूजन, 781 बसाहटों को मिलेगा पक्का सड़क संपर्क

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने जशपुर स्थित रणजीता स्टेडियम में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (फेज-04) के अंतर्गत स्वीकृत 774 सड़कों का शिलान्यास एवं शुभारंभ किया। इन सड़कों की कुल लंबाई 2426.875 किलोमीटर है, जिनके निर्माण पर ?2225.44 करोड़ की लागत आएगी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने जशपुर जिला मुख्यालय स्थित वशिष्ठ कम्यूनिटी हॉल के जीणीद्धार के लिए ?80 लाख की राशि प्रदान करने की घोषणा भी की।

मुख्यमंत्री श्री साय ने अपने संबोधन में कहा कि प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अंतर्गत एक साथ इतनी बड़ी संख्या में सड़कों का भूमिपूजन ग्रामीण विकास के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। उन्होंने बताया कि इन सड़कों के निर्माण से लगभग 781 बसाहटों को बारहमासी पक्की सड़क सुविधा प्राप्त होगी, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में आवागमन, शिक्षा, स्वास्थ्य और आर्थिक गतिविधियों को नई गति मिलेगी। उन्होंने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी द्वारा छत्तीसगढ़ राज्य के गठन के साथ ही प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना की शुरुआत की गई थी, जो उनकी दूरदर्शी सोच का परिणाम है और आज यह योजना ग्रामीण भारत की जीवनरेखा बन चुकी है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पिछले एक दशक में सड़क नेटवर्क के विस्तार में अभूतपूर्व तेजी आई है। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना और पीएम जनमन योजना के माध्यम से राज्य के अधिकांश गांवों को सड़क संपर्क से जोड़ा जा चुका है। उन्होंने कहा कि भारतमाला परियोजना के तहत रायपुर से विशाखापट्टनम तथा रायपुर से जशपुर होते हुए धनबाद तक सड़क निर्माण कार्य प्रगति पर है, जिससे जशपुर क्षेत्र की कनेक्टिविटी और आर्थिक गतिविधियों को नई दिशा मिलेगी।

मुख्यमंत्री श्री साय ने सहकारिता क्षेत्र का उल्लेख करते हुए बताया कि हाल ही में 515 प्राथमिक कृषि साख सहकारी समितियों (पैक्स) का वर्चुअल शुभारंभ किया गया है, जिससे प्रदेश में समितियों की संख्या बढ़कर 2573 हो गई है। ये समितियां किसानों को खाद, बीज और अल्पकालीन ऋण जैसी सुविधाएं उनके निकट उपलब्ध कराएंगी तथा धान विक्रय प्रक्रिया को सरल बनाएंगी। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार द्वारा किसानों से 3100 प्रति क्विंटल की दर से धान खरीदी की जा रही है और होली से पूर्व 25.28 लाख किसानों के खातों में 10000 करोड़ रुपए से अधिक की राशि अंतरण कर उन्हें आर्थिक संबल प्रदान किया गया है।

उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि आज जिन 774 सड़कों का शिलान्यास किया गया है, उनका निर्माण कार्य शीघ्र प्रारंभ होगा। उन्होंने बताया कि पिछले दो वर्षों में प्रदेश में 1300 से अधिक सड़कों का निर्माण कार्य पूर्ण किया जा चुका है। उन्होंने कहा कि पीएम जनमन योजना के तहत विशेष पिछड़ी जनजाति क्षेत्रों में भी सड़क निर्माण तेजी से किया जा रहा है, जिससे ये क्षेत्र भी मुख्यधारा से जुड़ सकेंगे। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि राज्य में धर्म स्वातंत्र्य कानून लागू कर अवैध धर्मांतरण पर प्रभावी नियंत्रण के लिए कड़े प्रावधान किए गए हैं।

कार्यक्रम में प्रमुख सचिव पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग श्रीमती निहारिका बारीक ने बताया कि प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के फेज-04 के अंतर्गत राज्य में 3065 सड़क विहीन बसाहटों का चिन्हांकन किया गया है। बैच-2 में 1000 बसाहटों के लिए 2684 किलोमीटर लंबाई की 975 सड़कों का प्रस्ताव केंद्र सरकार को भेजा गया है, जबकि शेष 1284 बसाहटों के लिए डीपीआर तैयार किए जा रहे हैं।

उन्होंने बताया कि पीएम-जनमन योजना के अंतर्गत विशेष पिछड़ी जनजातीय समूहों के लिए 2902 किलोमीटर लंबाई की 807 सड़कों एवं 123 वृहद पुलों के निर्माण हेतु ?2477 करोड़ की स्वीकृति प्राप्त हुई है, जिनसे 871 बसाहटें लाभान्वित होंगी। अब तक 1735 किलोमीटर लंबाई की 356 सड़कें पूर्ण कर 356 बसाहटों को जोड़ दिया गया है। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अंतर्गत अब तक कुल 47,847 किलोमीटर लंबाई की 10,119 सड़कों एवं 581 वृहद पुलों को स्वीकृति प्राप्त हुई है, जिनमें से 42,250 किलोमीटर लंबाई की 8713 सड़कें और 444 पुल पूर्ण किए जा चुके हैं।

जशपुर जिले में इस योजना के तहत कुल 77 सड़कों का निर्माण किया जाएगा, जिनकी लंबाई 197.26 किलोमीटर तथा लागत ?196.20 करोड़ है। विभिन्न विकासखंडों में इन सड़कों का निर्माण चरणबद्ध रूप से किया जाएगा, जिससे जिले के दूरस्थ क्षेत्रों में आवागमन की सुविधा सुदृढ़ होगी और स्थानीय विकास को गति मिलेगी। इस अवसर पर अनेक जनप्रतिनिधि, अधिकारीगण एवं बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित थे।

दिशा दर्शन भ्रमण आत्मनिर्भरता का सशक्त माध्यम : मंत्री राजवाड़े

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े की पहल और मार्गदर्शन में संचालित दिशा दर्शन भ्रमण योजना महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में प्रभावी रूप से आगे बढ़ रही है। इसी क्रम में सूरजपुर जिले की लगभग 51 महिलाएं, जो विभिन्न महिला स्व सहायता समूहों से जुड़ी हैं, अध्ययन भ्रमण के तहत रायपुर पहुंचीं।

भ्रमण के दौरान महिलाओं ने रायपुर-खरोरा स्थित सोया प्रोसेसिंग प्लांट का अवलोकन कर उत्पादन, प्रसंस्करण, पैकेजिंग एवं विपणन की प्रक्रियाओं को विस्तार से समझा। प्रशिक्षण प्राप्त कर महिलाओं में स्वरोजगार के प्रति नया आत्मविश्वास जागृत हुआ और उन्होंने अपने क्षेत्रों में छोटे स्तर पर प्लांट स्थापित कर कार्य करने की इच्छा व्यक्त की।

इस अवसर पर मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े स्वयं प्लांट परिसर में उपस्थित रहीं और महिलाओं से सीधे संवाद कर उनका उत्साहवर्धन किया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए निरंतर प्रयासरत है और इस प्रकार के भ्रमण

कार्यक्रम उन्हें व्यवहारिक अनुभव प्रदान करते हैं, जो उद्यमिता की दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करता है।

मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने कहा कि इच्छुक महिला स्व सहायता समूहों को सोया प्रोसेसिंग जैसे लघु उद्योग स्थापित करने हेतु हर संभव सहयोग प्रदान किया जाएगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रशिक्षण प्राप्त महिलाओं को योजनाओं से जोड़ते हुए उन्हें वित्तीय सहायता, तकनीकी मार्गदर्शन एवं विपणन की सुविधा उपलब्ध कराई जाए। उन्होंने यह भी कहा कि स्व सहायता समूहों के माध्यम से महिलाएं न केवल आर्थिक रूप से सशक्त बन रही हैं, बल्कि समाज में नेतृत्व की भूमिका निभाते हुए अन्य महिलाओं के लिए प्रेरणा बन रही हैं। मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने कहा कि दिशा दर्शन भ्रमण योजना के माध्यम से राज्य सरकार महिलाओं को ज्ञान, कौशल और अवसर प्रदान कर उन्हें आत्मनिर्भरता की ओर सशक्त रूप से अग्रसर कर रही है।

माओवाद की समाप्ति के बाद अब बस्तर का सर्वांगीण विकास होगा : मंत्री नेताम

नई दृष्टिबिंदु / 0000000

आदिम जाति विकास मंत्री रामविचार नेताम ने कांकेर जिले के दुर्गूकोंदल ब्लॉक मुख्यालय में सर्व आदिवासी समाज कल्याण विश्राम गृह का लोकार्पण किया। उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा कि पिछले 04 दशक तक हिंसा, आतंक का पर्याय बन चुका माओवाद आज समाप्त हो गया है। लंबे अरसे तक दंश झेलने वाले बस्तर में अब तेजी से सर्वांगीण विकास होगा।

दुर्गूकोंदल के बाजार चौक में आयोजित मंचीय कार्यक्रम में मंत्री श्री नेताम ने कहा कि प्रदेश में माओवाद की समूल समाप्ति के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के संकल्प को पूरा करने प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने बेहतर रणनीति के साथ इस कार्य को अंजाम दिया। उन्होंने कहा

कि साय सरकार के नेतृत्व में युवा, बुजुर्ग, बच्चे और महिलाओं सभी वर्ग के लिए बेहतर कार्य हो रहे हैं। बस्तर के विकास के लिए राज्य सरकार द्वारा मास्टर प्लान तैयार किया गया है।

श्री नेताम ने सर्व आदिवासी समाज विश्राम गृह की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि इससे समाज के लोगों को लाभ मिलेगा और सामाजिक गतिविधियों को अच्छे ढंग से संपादित कर सकेंगे। इस अवसर पर विधायक श्रीमती सावित्री मंडावी ने भी समाज जनों को बधाई देते हुए विश्राम भवन के निर्माण को दुर्गुकोंदल क्षेत्र के लिए काफी उपयुक्त बताया।

उल्लेखनीय है कि बाजार चौक दुर्गूकोंदल में ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग कांकेर द्वारा पीएसी मद से 43 लाख 08 हजार रुपए की लागत से उक्त भवन तैयार किया गया है, जिसका लोकार्पण आज आदिम जाति विकास मंत्री श्री नेताम ने किया। इसके पहले, उन्होंने भानुप्रतापपुर के विश्राम गृह में स्थानीय जनप्रतिनिधियों से मुलाकात कर क्षेत्र के समस्याओं की जानकारी ली तथा यथोचित कार्रवाई करने का आश्वासन दिया।

भारत को कबड्डी विश्वकप व एशियन चैंपियन बनाने वाली संजू को दी 50 लाख की प्रोत्साहन राशि

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

भारत को कबड्डी विश्वकप और एशियन चैंपियनशिप दिलाने में अहम भूमिका निभाने वाली संजू देवी को राज्य शासन के खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा 50 लाख रुपए की प्रोत्साहन राशि प्रदान की गई है। छत्तीसगढ़ में पहली बार किसी खिलाड़ी को इतनी बड़ी प्रोत्साहन राशि दी गई है। उप मुख्यमंत्री तथा खेल एवं युवा कल्याण मंत्री अरुण साव ने नवा रायपुर स्थित अपने निवास कार्यालय में आयोजित सम्मान समारोह में उन्हें यह राशि सौंपी। श्री साव ने इस दौरान बिलासपुर के चिंगराजपारा कबड्डी क्लब को कबड्डी मैट भी प्रदान किया।

संजू देवी को उनके शानदार खेल की वजह से पिछले साल नवम्बर में बांग्लादेश में आयोजित कबड्डी विश्वकप मंर मोस्ट वेल्युबल प्लेयर चुना गया था। कबड्डी विश्वकप के फाइनल में भारत को मिले 35 प्वाइंट्स में से 16 प्वाइंट्स अकेले संजू ने दिलाए थे। सेमी-फाइनल सहित अन्य मैचों में भी उन्होंने अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन से भारत को चैंपियन बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। संजू अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश का प्रतिनिधित्व करने वाली राज्य की पहली कबड्डी खिलाड़ी है। कबड्डी विश्व कप के साथ ही उन्होंने पिछले साल मार्च में ईरान में आयोजित एशियन कबड्डी चैम्पियनशिप में भी भारत का प्रतिनिधित्व किया था और भारत को चैंपियन बनाने में अहम भूमिका निभाई थी। कोरबा के छोटे से गांव केराकछार की

श्रमिक दंपति की संतान 23 साल की संजू राज्य शासन के खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा संचालित बिलासपुर के बहतराई आवासीय बालिका कबड्डी अकादमी में जुलाई-2023 से प्रशिक्षण ले रही है।

श्री साव ने कहा कि राज्य में जब ऐसे प्रतिभाशाली खिलाड़ी हों तो हमारी जिम्मेदारी बनती है कि ऐसे खिलाड़ियों को आगे बढ़ाएं और प्रोत्साहित करें। हमारे खिलाड़ियों को और विशेषकर लड़कियों को अच्छा खेलने का प्रोत्साहन मिले, इसके लिए सरकार संजू देवी को 50 लाख रुपए की प्रोत्साहन राशि दे रही है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ ने अभी हाल ही में खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स की शानदार मेजबानी की है। बस्तर ओलंपिक और सरगुजा ओलंपिक के भी वृहद आयोजन किए गए हैं।

श्री साव ने कहा कि सरकार की कोशिश है कि प्रदेश में लगातार खेल प्रतियोगिताएं चलती रहें, चाहे वो सरकार के माध्यम से हों, अन्य संस्थाओं के माध्यम से हों या खेल संघों के माध्यम से हों। खेल और खिलाड़ियों को आगे बढ़ाने के लिए सरकार ने बजट में पर्याप्त प्रावधान किए हैं। खेल एवं युवा कल्याण विभाग की संचालक श्रीमती तनुजा सलाम, छत्तीसगढ़ कबड्डी संघ के अध्यक्ष शशिकांत बघेल और संजू देवी के कोच दिल कुमार राठौर सहित राज्य शासन के विभिन्न अकादमियों में प्रशिक्षण ले रहे खिलाड़ी, कबड्डी संघ के पदाधिकारी एवं विभागीय अधिकारी भी सम्मान समारोह में मौजूद थे।

जुनून, कड़ी मेहनत, मानसिक मजबूती, समर्पण और संघर्ष का नाम संजू देवी रावत

दमदार खेल और विपक्षी टीम के पाले में जाकर अपनी टीम के लिए अंक बटोरने की काबिलियत की वजह से संजू देवी को नवम्बर-2025 में बांग्लादेश में हुए कबड्डी विश्वकप में टूर्नामेंट का मोस्ट वेल्युबल प्लेयर चुना गया। फाइनल और सेमीफाइनल सहित शुरूआती मैचों में भी निर्णायक क्षणों में उसने टीम की जीत सुनिश्चित करने वाले अंक बटोरे। संजू छत्तीसगढ़ की पहली अंतरराष्ट्रीय कबड्डी खिलाड़ी है। बांग्लादेश में कबड्डी विश्व कप खेलने के साथ ही वह मार्च-2025 में ईरान में हुए एशियन कबड्डी चैंपियनशिप में देश के लिए खेल चुकी है। ईरान में भी उसने उम्दा प्रदर्शन किया था।

संजू ने गरीबी व अभावों के बीच संघर्ष और कड़ी मेहनत से ये उपलब्धियां हासिल की हैं। वे खेल के प्रति अपने जुनून, समर्पण, अनुशासन, मानसिक मजबूती, कठोर परिश्रम और संघर्ष से यहां तक पहुंची हैं। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेलने के अपने जुनून और जज्बे के बीच उसने जो मानसिक मजबूती दिखाई है, वह दुर्लभ है। अपनी लगन, कड़ी मेहनत और कबड्डी के प्रति जुनून से उन्होंने एक छोटे से गांव से निकलकर दो-दो अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंटों में भारत को चैंपियन बनाने में महती भूमिका निभाई है।

संजू की सफलता और उपलब्धियां खेल में अपना करियर बनाने की सोच रहे बच्चों और युवाओं को प्रेरित करने वाली है। बिलासपुर के शासकीय कबड्डी अकादमी में अपने खेल को तराशने वाली संजू कहती है कि बड़े स्तर पर सफल होने के लिए मानसिक रूप से मजबूत होना जरूरी है। बाधाओं के बीच पहली सीढ़ी पार करने के बाद ही आपको दूसरी सीढ़ी चढ़ने का मौका मिलता है।

अच्छे प्रदर्शन से मिली भारतीय टीम में जगह

संजू ने अपने गांव केराकछार से कबड्डी विश्व कप तक के सफर के बारे में बताया कि उन्होंने जनवरी-2024 में कोलकाता में आयोजित ईस्ट जोन इंटरयुनिवसिर्टी टूर्नामेंट में और जनवरी-2025 में भटिंडा में ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी टूर्नामेंट में बिलासपुर विश्वविद्यालय की ओर से तथा विशाखापट्टनम, तमिलनाडु, नागपुर, महासमुंद और भजियापार (महाराष्ट्र) के ऑल इंडिया टूर्नामेंट में राज्य की ओर से भागीदारी की है। वर्ष-2024 में छत्तीसगढ़ कबड्डी संघ द्वारा आयोजित चयन स्पर्धा में अच्छे प्रदर्शन के फलस्वरूप इंडिया कैंप के लिए संजू का चयन हुआ। इंडिया कैंप में उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर ईरान में हुए एशियन कबड्डी चैम्पियनशिप के लिए उन्हें भारतीय टीम में स्थान मिला। इसमें लगातार अच्छे प्रदर्शन के कारण उन्हें महिला कबड्डी वर्ल्ड कप की टीम में भी शामिल किया गया। वे भारतीय टीम के लिए गांधी नगर और सोनीपत में आयोजित चार कैंपों में शामिल हो चुकी हैं।

संपादकीय

21 घंटे की बैठक का कोई नतीजा निकलना ही नहीं था

अमरीका व ईरान के लड़क र थकने के बाद अस्थायी युध्दविराम हुआ है, इसका समय 21 अप्रैल को समाप्त होना है। इससे पहले अमरीका व ईरान के नेताओं के बीच बातचीत तो शुरू होनी ही थी क्योंकि अगर बातचीत नहीं होती तो सवाल उठता कि दोनों को जब बातचीत नहीं करनी थी तो दोनों ने युध्दविराम क्यों किया। युध्दविराम के बाद दोनों देश दुनिया को यह बताना चाहते थे कि अब हम युध्द नहीं करना चाहते हैं, हम शांति चाहते हैं लेकिन शांति तो तब ही हो सकती है जब दोनों देश बिना शर्तों के बात करें। दोनों देशों ने तो बातचीत करने के पहले ही शर्ते रख दीं कि हमारी यह शर्ते मानी जाएंगी तो हम शांति के लिए तैयार हैं। ईरान ने दस शर्ते रखी हैं तो अमरीका ने भी कई शर्ते रखी हैं।

दोनों देश खुद को युद्ध में जीता हुआ मान रहे हैं और वैसी बयानबाजी भी कर रहे हैं कि युध्द मे तो हम विजयी हुए हैं। दोनों खुद को विजयी मान रहे हैं इसलिए एक दूसरे के लिए ऐसी शर्तें रख रहे हैं कि सामने वाला उन शर्तों को स्वीकार नहीं कर सकता। अमरीका चाहता है कि ईरान अपना परमाणु कार्यक्रम बंद कर देश होर्मूज स्ट्रेट को पहले की तरह खुला रहने दे, मिसाइल कार्यक्रम सीमित रखे।वहीं ईरान चाहता है कि जब अमरीका वार्ता की टेबल पर आ गया है और वह शांति चाहता है तो उससे ऐसी शर्ते मनवाने का प्रयास क्यों न किया जाए जो वह सामान्य स्थिति में कभी नहीं मानता। यही वजह है कि ईरान शर्ते रखी हैं कि होर्मूज स्ट्रेट पर उसका नियंत्रण रहे, जबकि अमरीका अब दोनों के नियंत्रण के पक्ष में है।

ईरान शांतिपूर्ण परमाणु कार्यक्रम जारी रखना चाहता है जबकि अमरीका चाहता है कि ईरान परमाणु कार्यक्रम बंद कर दे। ईरान चाहता है कि अमरीका ने उस पर जो प्रतिबंध लगाए हैं, वह हटाए, उसकी 15 लाख करोड़ रुपए की संपत्ति पर फ्रीज हटाए। ट्रंप ने ऐसा किया नहीं है लेकिन ईरान को एक माह तेल बेचने की छूट दी है। ईरान चाहता है कि अमरीका व इजराइल भविष्य में उस पर हमला न करने की गारंटी दे।खाड़ी के देशों मे जहां अमरीका सैन्य बेस हैं, उनको हटाया जाए। अमरीका की बात ईरान नहीं मान रहा है तो ईरान की बात अमरीका नहीं मान रहा है। ऐसे में फिर भी अमरीका व ईरान बात करने के लिए टेबल पर आए तो उसकी वजह यह है कि दोनों को इतना नुकसान हो चुका है कि दोनों और नुकसान नहीं चाहते हैं। दोनों के देश के भीतर की राजनीति में भी नुकसान होने का अंदेशा होगा और दोनों नहीं चाहते हैं कि देश के भीतर उनके खिलाफ माहौल बने इसलिए दोनों देश बातचीत का कोई नतीजा निकले या न निकले दुनिया व देश के लोगों को बताना चाहते हैं कि देखो हम बात कर रहे हैं।देखों हमने युध्द बंद कर दिया है।

अमरीका व ईरान के बीच 21 घंटे की बातचीत का कोई नतीजा नहीं निकला है और निकलने की उम्मीद भी नहीं थी। अमरीका ने कोशिश की कि किसी तरह परमाणु कार्यक्रम बंद करने व होर्मूज स्ट्रेट को खुला रखने को ईरान राजी हो जाए। पहली कोशिश में तो अमरीका सफल नहीं हुआ है। ईरान ने दोनों बातें नहीं मानी और इस बात पर भी नाराजगी जताई की इजराइल लेबनान पर हमला कर रहा है।अमरीका ने साफ कहा कि शांति वार्ता में लेबनान की बात नहीं थी जबकि ईरान का कहना था कि युध्दविराम मतलब ईरान के साथ लेबनान पर हमला रोकना है।ईरान अमरीका का सामने झुका हुआ नहीं दिखना चाहता है क्योकि ऐसा करने पर ही उसका महत्व क्षेत्र का राजनीति व विश्व राजनीति में बना रहेगा।

ऐसे में अमरीका के सामने ईरान को शांति के लिए मनाना एक बड़ी चुनौती है।क्योंकि उसके सामने दो ही विकल्प हैं एक फिर से युध्द शुरू किया जाए, यह रास्ता ट्रंप के लिए अमरीका में नुकसानदायक है, उनको चुनाव में नुकसान हो सकता है। दूसरा बातचीत के सिलसिले को बनाए रखा जाए. एक दौर की बातचीत का कोई नतीजा नहीं निकला तो दूसरे दौर की बातचीत के लिए जमीन तैयार की जाए। इससे अमरीका युध्द से बचा रहेगा।अभी ट्रंप अमरीका में जो नुकसान हो सकता है, उससे बचना चाहते हैं, इसलिए उनकी मजबूरी है कि वह ईरान के साथ ईरान चाहे न चाहे वह अमरीका के लोगों को और खाड़ी के देशों को बताना चाहते हैं कि मैं तो बातचीत करना चाहता हूं, ईरान नहीं चाहता है। ऐसे में ईरान को बातचीत का नतीजा निकले या न निकले बात तो करनी ही पड़ेगी। दोनों देशों के हित में यही है कि नतीजा निकले या न निकले बातचीत के दौर चलते रहें।जब तक देश में स्थिति उनके अनुकूल न हो जाए।

दीर्घायु का रहस्य : तनावमुक्त, सत्यनिष्ठ और संतुलित जीवन की खोज

आचार्य डॉ. अजय आर्य

महर्षि के जीवन का एक अत्यंत प्रेरक प्रसंग है। एक बार किसी जिज्ञासु ने उनसे प्रश्न किया— स्वामी जी, आप सदैव इतने प्रसन्न, निर्भय और संतुलित कैसे रहते हैं? स्वामी दयानंद सरस्वती ने अत्यंत सरल किन्तु गूढ़ उत्तर दिया- मैं सत्य को जानने और उसे जीने का प्रयास करता हूँ; इसलिए मुझे किसी आडंबर, दिखावे या भय का बोझ नहीं उठाना पड़ता। उनका एक और सारगर्भित वचन इस भाव को और स्पष्ट करता है—'सत्य को ग्रहण करो, असत्य को त्यागो।'

यह वचन केवल नैतिक शिक्षा नहीं, बल्कि जीवन-प्रबंधन का शाश्वत सूत्र है। जब मनुष्य असत्य, दिखावे और आत्म-विरोधी प्रवृत्तियों को त्याग देता है, तब उसके भीतर का द्वंद्व शांत होने लगता है। यही आंतरिक शांति आगे चलकर आनंद का रूप लेती है और वही आनंद दीर्घायु का मूल आधार बनता है।

मनुष्य की प्राचीन जिज्ञासा रही है—क्या लंबा जीवन केवल अच्छे भोजन, व्यायाम और अनुवांशिकता पर निर्भर है? आधुनिक ब्लू जोन्सह्व के अध्ययन इस प्रश्न का उत्तर देते हुए बताते हैं कि ये सभी तत्व महत्वपूर्ण तो हैं, किंतु निर्णायक नहीं। यदि मन निरंतर तनावग्रस्त है, तो उत्तम जीवनशैली भी सीमित परिणाम ही देती है। अतः स्पष्ट है कि दीर्घायु का मूल तत्व है- तनाव का अभाव और मन का संतुलन।

इस संदर्भ में शास्त्र का यह वचन स्मरणीय है- शरीरमाद्यं खलु धमर्साधनम्। अर्थात् शरीर सभी कर्मों का साधन है, परंतु यह साधन तभी समर्थ रहता है जब मन शांत और संतुलित हो। एक लोककथा इस सत्य को सहज रूप में स्पष्ट करती है। दो कुम्हार समान परिश्रम करते थे- एक चिंता में डूबा रहता, दूसरा प्रसन्नचित्त होकर कार्य करता। समय के साथ पहला कुम्हार दुर्बल और रोगग्रस्त हो गया, जबकि दूसरा स्वस्थ और सक्रिय रहा। जब उससे रहस्य पूछा गया, तो उसने कहा- ह्लमैं मिट्टी को आकार देता हूँ, चिंता को नहीं।ह्व यह उत्तर बताता है कि श्रम नहीं, बल्कि चिंता मनुष्य को थकाती है।

भारतीय दर्शन स्पष्ट रूप से कहता है- 'मन एव मनुष्याणां कारणं बन्धमोक्षयोः।' अर्थात मन ही बंधन और मुक्ति का कारण है। जब व्यक्ति अपने ही मन के विरुद्ध जीवन जीता है- नापसंद कार्य करता है, असत्य संबंध निभाता है, या केवल सामाजिक दबाव में जीता है, तब उसके भीतर निरंतर संघर्ष चलता रहता है। यही संघर्ष तनाव बनकर जीवन-ऊर्जा को क्षीण करता है।

इसी प्रकार जीवन को भविष्य के लिए टालना भी एक सूक्ष्म भ्रम है। 'अभी नहीं, बाद में' यह विचार धीरे-धीरे जीवन के वास्तविक आनंद को समाप्त कर देता है। कबीर का दोहा इस संदर्भ में अत्यंत सार्थक है-

काल करे सो आज कर, आज करे सो अब।
पल में परलय होएगी, बहुरि करेगा कब॥

मानवीय संबंध भी दीर्घायु के आधार स्तंभ हैं। अकेलापन केवल मानसिक नहीं, बल्कि शारीरिक रूप से भी हानिकारक है। इसके विपरीत, स्नेहपूर्ण संबंध मन को स्थिरता, सुरक्षा और आनंद प्रदान करते हैं। वैदिक प्रार्थना-

'सर्वे भवन्तु सुखिनः, सर्वे सन्तु निरामयाः'

सामाजिक संतुलन का आदर्श प्रस्तुत करती है। जीवन में उद्देश्य का होना भी उतना ही आवश्यक है। इकिगाई की अवधारणा बताती है कि हर व्यक्ति के पास ऐसा कारण होना चाहिए, जिसके लिए वह प्रतिदिन उत्साहपूर्वक उठ सके। भारतीय ग्रंथों में भी कहा गया है—'योगः कमर्सु कौशलम्।'

अर्थात् अपने कर्म में दक्षता और समर्पण ही जीवन को अर्थ प्रदान करता है। इन्हीं विचारों को व्यवहार में उतारने के लिए दीर्घायु के कुछ मूलभूत नियम सामने आते हैं, जो जीवन को सरल, संतुलित और सार्थक बनाते हैं।

प्रथम नियम- जीवन से अनावश्यक तनाव को हटाना। तनाव केवल परिस्थितियों से नहीं, बल्कि उन पर हमारी प्रतिक्रिया से उत्पन्न होता है। शांत मन ही दीर्घ जीवन का आधार है।

द्वितीय नियम-अपने मन के प्रति सत्यनिष्ठ रहना। अपने ही मन से असत्य बोलना, स्वयं के साथ विश्वासघात के समान है, जो धीरे-धीरे मानसिक असंतुलन को जन्म देता है।

तृतीय नियम- वतर्मान में जीना। जीवन को भविष्य के लिए स्थगित करना, जीवन को खो देना है। वतर्मान ही वास्तविकता है।

चतुर्थ नियम- संबंधों का पोषण। सच्चे संबंध जीवन में स्थिरता और संतोष प्रदान करते हैं।

पंचम नियम- जीवन में उद्देश्य का होना। उद्देश्य जीवन को दिशा और ऊर्जा देता है।

षष्ठ नियम-स्वास्थ्य के प्रति संतुलित दृष्टिकोण। अति-नियंत्रण भी तनाव का कारण बन सकता है; सहजता आवश्यक है।

सप्तम नियम- स्वाभाविक सक्रियता। चलना, श्रम करना और प्रकृति से जुड़ना शरीर को स्वस्थ रखते हैं।

अंततः, इन सभी नियमों का सार एक ही है- अपने आप के साथ ईमानदार रहना। यही सत्यनिष्ठा जीवन को सरल, शांत और दीर्घ बनाती है।

स्वास्थ्य का अर्थ केवल शरीर की स्थिति नहीं, बल्कि मन की प्रसन्नता और जीवन की सहजता भी है। उपवास का व्यापक अर्थ भी यही है- केवल भोजन का त्याग नहीं, बल्कि नकारात्मक विचारों और मानसिक अशांति से दूरी बनाना।

महान विचारक का यह कथन इस संदर्भ में अत्यंत प्रेरणादायक है-'आप वही बनते हैं, जो आप अपने बारे में सोचते हैं।' अतः सकारात्मक और संतुलित विचार ही दीर्घ और सार्थक जीवन की आधारशिला हैं।अंततः, दीर्घायु का रहस्य किसी जटिल साधना में नहीं, बल्कि सरल जीवन-मूल्यों में निहित है, सत्य, संतुलन, प्रेम, उद्देश्य और शांति। यही जीवन को गहराई और विस्तार प्रदान करते हैं।

एक शांति मंत्र इस समग्र दृष्टि को अभिव्यक्त करता है:-

द्यौः शान्तिरन्तरिक्षँ शान्तिः,
पृथ्वी शान्तिरापः शान्तिरोषधयः शान्तिः।
वनस्पतयः शान्तिर्विश्वे देवाः शान्तिर्ब्रह्म शान्तिः,
सर्वँ शान्तिः, शान्तिरेव शान्तिः, सा मा शान्तिरेधि॥
शान्तिः शान्तिः शान्तिः॥
शान्तिः कीजिये प्रभु !

त्रिभुवन में, जल में, थल में और गगन में, अन्तरिक्ष में, अग्नि - पवन में, औषधियों, वनस्पतियों, वन और उपवन में, सकल विश्व में अवचेतन में, शान्ति राष्ट्र-निर्माण और सृजन में, नगर, ग्राम और भवन में, प्रत्येक जीव के तन, मन और जगत के कण-कण में, शान्ति कीजिए! शान्ति कीजिए! शान्ति कीजिए!

यही शांति, यही सत्य और यही संतुलन दीर्घायु का वास्तविक मार्ग है। दूसरों को अशांत करके कोई स्वयं शांत नहीं रह सकता। अतः अपने जीवन को शांत बनाने के लिए आसपास प्रेम, सद्भाव और सामंजस्य का वातावरण निर्मित करना आवश्यक है।

(लेखक आर्यजगत के सुप्रसिद्ध विद्वान एवं समाजसेवी हैं।)

भारत का फार्मा सेक्टर : नवाचार और युवाओं के लिए नया आकाश

श्रीमती अनुप्रिया पटेल

भारत आज दुनिया की फार्मेसी के रूप में अपनी पहचान मजबूत कर चुका है, और माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'विकसित भारतइ के विज? के अनुरूप अब हम केवल जेनेरिक दवा बनाने वाले देश से आगे बढ़कर एक नवाचार-आधारित वैश्विक शक्ति बनने की दिशा में अग्रसर हैं। हमारी सरकार का उद्देश्य ऐसी नीतियां बनाना है जिससे देश के हर नागरिक कम कीमत में गुणवत्तापूर्ण दवाएं से मिल सकें। साथ ही सरकार निरंतर अनुसंधान और विकास को बढ़ावा दे रही है और भारतीय फार्मा उद्योग को वैश्विक स्तर पर और अधिक प्रतिस्पर्धी बनाने के लिए काम कर रही है।

भारत की अब तक की सफलता उसकी उत्पादन क्षमता, लागत दक्षता और गुणवत्ता मानकों पर आधारित रही है। विश्व की लगभग 20 प्रतिशत जेनेरिक दवाओं और 60 प्रतिशत वैक्सीन आपूर्ति के साथ देश ने वैश्विक स्वास्थ्य सुरक्षा में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इसको देखते हुए भारत सरकार ने 8 से 10 वर्षों में देश को उच्च-मूल्य, नवाचार-आधारित बायोफार्मा और उन्नत चिकित्सीय उत्पादों का वैश्विक केंद्र बनाने का लक्ष्य रखा है। इसकी आधारशिला के रूप में हालिया केंद्रीय बजट में घोषित 10,000 करोड़ की 'बायोफार्मा शक्तिइ पहल महत्वपूर्ण है। यह कार्यक्रम देश में वैज्ञानिक अनुसंधान, नवाचार आधारित उद्योगों और अगली पीढ़ी की दवाओं के विकास को गति प्रदान करेगा।

आर्थिक आंकड़े भी इस बात को दर्शाते हैं कि भारत का फार्मास्युटिकल उद्योग वर्तमान में 50 अरब डॉलर का है। जिस रफ्तार से हम आगे बढ़ रहे हैं, 2030 तक इसके 130 अरब डॉलर तक पहुंचने की पूरी संभावना है। इसे केवल संख्या नहीं, बल्कि देश के लाखों युवाओं के लिए बेहतर भविष्य के रोडमैप के तौर पर भी देखने की जरूरत है।

वतर्मान में फार्मास्युटिकल उद्योग प्रत्यक्ष और परोक्ष रूप से 30 लाख से अधिक लोगों को रोजगार दे रहा है। 2030 तक हेल्थकेयर और फार्मा क्षेत्र में 20 से 25 लाख नए रोजगार सृजित होंने की उम्मीद है। बायोफार्मा, मेडटेक और क्लीनिकल रिसर्च जैसे उभरते क्षेत्रों ने संभावनाओं के नए द्वार खोल दिए हैं।

हमारी सरकार का मानना है कि युवाओं की सफलता की नींव एक मजबूत शैक्षणिक ढांचे पर टिकी होती है। इसी विजन को ध्यान में रखते हुए, केंद्रीय बजट में फार्मा सेक्टर के लिए और भी कई क्रांतिकारी कदम उठाए गए हैं। सरकार ने देश में तीन नए राष्ट्रीय औषधीय शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान (नाईपर) स्थापित करने का निर्णय लिया है। इसके साथ ही, वतर्मान में कार्यरत सात नाईपर संस्थानों को अपग्रेड किया जा रहा है।

इन सात संस्थानों में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की स्थापना की गई है, जो अनुसंधान और विकास को नई ऊंचाइयों पर ले जाएंगे। इन केंद्रों के माध्यम से विशेष क्षेत्रों में अनुसंधान को बढ़ावा दिया जा रहा है, नाईपर मोहाली में एंटी-वायरल और एंटी-बैक्टीरियल दवाओं की खोज एवं विकास, नाईपर अहमदाबाद में मेडिकल डिवाइसेज, नाईपर हैदराबाद में बल्क ड्रग्स, नाईपर कोलकाता में फ्लो केमिस्ट्री और सतत विनिर्माण, नाईपर रायबरेली में नोबेल ड्रग डिलीवरी सिस्टम, नाईपर गुवाहाटी में फाइटोफार्मास्यूटिकल्स तथा नाईपर हाजीपुर में बायोलॉजिकल थेरैप्यूटिक्स पर सेंटर ऑफ एक्सीलेंस स्थापित किए गए हैं। इन संस्थानों का सीधा लाभ हमारे विद्यार्थियों को मिलेगा। नाईपर केवल डिग्री देने वाले संस्थान नहीं रह जाएंगे, बल्कि वे ऐसे केंद्र बनेंगे जहां छात्र उद्योग की वास्तविक चुनौतियों पर काम करेंगे। इससे हमारे छात्र केवल जॉब सीकर नहीं बल्कि जॉब क्रिएटर और नवाचारी बनेंगे।

बदलते दौर में काम करने के तरीके बदल रहे हैं। अनुमान है कि 2030 तक फार्मा सेक्टर के लगभग 30-35 प्रतिशत कार्यबल को री-स्किलिंग यानी नए कौशल सीखने की जरूरत होगी। केयर डिलीवरी, रिसर्च और मैन्युफैक्चरिंग की परिभाषाएं बदल रही हैं। डेटा विश्लेषण, डिजिटल हेल्थ और नियामक मामलों में उच्च कौशल वाले युवाओं की मांग तेसे बढ़ेगी। हमारी सरकार का ध्यान इसी स्किल गैप को भरने पर है। हम चाहते हैं कि हमारे छात्र क्लीनिकल रिसर्च और अनुसंधान और विकास में विश्व स्तरीय प्रशिक्षण प्राप्त करें।

शिक्षा और उद्योग के बीच की दूरी को कम करना हमारी प्राथमिकता है। जब तक हमारे कॉलेजों में पढ़ाया जाने वाला पाठ्यक्रम और उद्योग की जरूरतें एक समान नहीं होंगी, तब तक हम जनसांख्यिकीय लाभांश का पूरा लाभ नहीं उठा पाएंगे।

इसीलिए, हम उद्योग-अकादमिक साझेदारी को मजबूत कर रहे हैं। इसी दिशा में, शिक्षा और उद्योग के बीच तालमेल बिठाने के लिए नाईपर और उद्योग के बीच 356 एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए हैं। साथ ही स्किल डेवलपमेंट मिशनों के माध्यम से छात्रों को सीधे कंपनियों के साथ जुड ? के मौके दिए जा रहे हैं। इससे न केवल युवाओं की रोजगार क्षमता बढ़ेगी, बल्कि भारत एक ग्लोबल इनोवेशन हब बनेगा।

औषधि क्षेत्र का विकास जीडीपी बढ़ाने के साथ-साथ देश के युवाओं को सशक्त बनाने का भी एक मिशन है। ज्ञान- आधारित अर्थव्यवस्था की नींव हमारे युवा वैज्ञानिकों, शोधकर्ताओं और पेशेवरों के कंधों पर है। नाईपर का विस्तार और बजट में किए गए प्रावधान इस बात का प्रमाण हैं। हम एक ऐसा इकोसिस्टम बना रहे हैं जहां एक छात्र अपनी प्रतिभा और कड़ी मेहनत से वैश्विक स्तर पर बदलाव ला सके। भारत के औषधि क्षेत्र का यह स्वर्णिम युग हमारे युवाओं के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर प्रस्तुत करता है, जो माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के 'विकसित भारत ज्ञ2047इ के विजन को साकार करने की दिशा में एक मजबूत आधार तैयार कर रहा है।

लेखक, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण तथा रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय में राज्य मंत्री हैं।

समय की हो रही बचत, जीवंती के घर तक पहुँचा शुद्ध पेयजल

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

जल जीवन मिशन ने छत्तीसगढ़ के बुलगा जैसे गांवों में घर-घर स्वच्छ पेयजल पहुंचाकर जीवन स्तर को बदल दिया है। बुलगा गाँव में अब हर घर में नल का कनेक्शन है, जिससे ग्रामीण महिलाओं को दूर से पानी लाने की मेहनत से मुक्ति मिली है। ग्रामीण अंचलों में शुद्ध पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए संचालित जल जीवन मिशन अब ग्रामीणों के जीवन में खुशहाली का नया आधार बन रहा है। कभी पानी के लिए लंबी दूरी तय करने वाली महिलाओं के आंगन में आज नल से जल की धार बह रही है। इसी बदलाव की एक बानगी सरगुजा जिले के लूण्ड्रा विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत बुलगा में देखने को मिली है।

मीलों का सफर थमा, आंगन में आई खुशहाली

बुलगा निवासी श्रीमती जीवंती बाई ने बताया कि एक समय था जब पीने के साफ पानी का इंतजाम करना दिन का सबसे कठिन कार्य था। पानी के लिए उन्हें घर से काफी दूर जाना पड़ता था, जिससे समय की बर्बादी और शारीरिक थकान होती थी। पहले पानी लाने के लिए बहुत लंबा लाइन लगाना पड़ता था, लेकिन अब हमारे घर में नल का कनेक्शन लग गया है। अब सुबह और शाम दोनों वक्त नियमित रूप से शुद्ध पानी घर पर ही मिल जाता है।

समय की बचत से खेती- किसानी को मिल रहा बढ़ावा

नल कनेक्शन लग जाने से जीवंती बाई के परिवार के समय की बड़ी बचत हो रही है। उन्होंने बताया कि पानी लाने में जो वक्त खराब होता था, अब उस समय का उपयोग वे खेती-किसानी और अन्य घरेलू कार्यों में कर रही हैं। इससे न केवल उनकी जीवनशैली सुधरी है, बल्कि आर्थिक गतिविधियों के लिए भी अतिरिक्त समय मिल रहा है।

शासन की योजना के लिए जताया आभार

गांव के हर घर में पाइपलाइन के माध्यम से पानी पहुंचने पर जीवंती बाई ने हर्ष व्यक्त किया है। उन्होंने इस जनकल्याणकारी योजना के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय का विशेष रूप से आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सरकार की इस पहल से ग्रामीण महिलाओं का जीवन अब पहले से कहीं अधिक सुगम और सम्मानजनक हो गया है। जिला प्रशासन और लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के समन्वित प्रयासों से लुण्ड्रा के दूरस्थ अंचलों में जल जीवन मिशन के लक्ष्य तेजी से पूरे किए जा रहे हैं, ताकि हर ग्रामीण परिवार को शुद्ध जल-स्वच्छ पेयजल प्राप्त हो सके।

पोषक तत्वों का अभाव: राष्ट्रीय स्वास्थ्य के लिए चुनौती बनी छिपी भूख

डॉ. अनु कुमार

छिपी हुई भूख का अर्थ है शरीर में आवश्यक सूक्ष्म पोषक तत्वों की कमी, जैसे आयरन, विटामिन बी12, विटामिन डी, जिंक, आयोडीन और फोलिक एसिड। यह कमी थकान, बार-बार संक्रमण, कमजोरी, ध्यान की कमी, हड्डियों की समस्या और रोग प्रतिरोधक क्षमता में गिरावट जैसे लक्षणों के रूप में दिखाई देती है।

आज का भारत एक विसंगति दौर से गुजर रहा है। एक ओर देश तेजी से आर्थिक प्रगति कर रहा है, बाजारों में खाद्य सामग्री की कोई कमी नहीं है और स्वास्थ्य सेवाएं भी विस्तारित हो रही हैं। लेकिन दूसरी ओर, एक गंभीर समस्या चुपचाप समाज में आकार ले रही है—पोषण की कमी, जिसे अक्सर छिपी हुई भूख कहा जाता है। छिपी हुई भूख का अर्थ है शरीर में आवश्यक सूक्ष्म पोषक तत्वों की कमी, जैसे आयरन, विटामिन बी12, विटामिन डी, जिंक, आयोडीन और फोलिक एसिड। यह कमी थकान, बार-बार संक्रमण, कमजोरी, ध्यान की कमी, हड्डियों की समस्या और रोग प्रतिरोधक क्षमता में गिरावट जैसे लक्षणों के रूप में दिखाई देती है। भारत में आयरन की कमी से होने वाला एनीमिया आज भी महिलाओं और किशोरियों में आम है। शहरी आबादी में विटामिन बी12 की कमी तेजी से बढ़ रही है, जिसका एक कारण बदलती भोजन शैली और पोषक तत्वों का ठीक से अवशोषण न होना है। धूप की प्रचुरता के बावजूद विटामिन डी की कमी एक विडंबना बन चुकी है, जो हड्डियों, प्रतिरक्षा तंत्र और मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित करती है। जिंक और आयोडीन की कमी बच्चों के शारीरिक और मानसिक विकास को बाधित करती है।

पोषण को लेकर सबसे आम भ्रांति यह है कि भरपूर खाना खाने का मतलब अच्छा पोषण है। आज का आधुनिक भोजन—जो अधिकतर परिष्कृत अनाज, पैकेज्ड फूड और मीठे स्नैक्स पर आधारित है—कैलोरी तो देता है, लेकिन आवश्यक सूक्ष्म पोषक तत्व नहीं। हमारी पारंपरिक भोजन पद्धतियां, जिनमें मोटे अनाज, दालें, मौसमी सब्जियां और किण्वित खाद्य पदार्थ शामिल थे, धीरे-धीरे पीछे छूटती जा रही हैं।

दरअसल, भोजन में गुणवत्ता के असंतुलन का सीधा असर स्वास्थ्य पर पड़ता है। पोषण की कमी से रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर होती है, जिससे संक्रमण जल्दी होते हैं और ठीक होने में समय लगता है। मधुमेह और हृदय रोग जैसे जीवनशैली से जुड़े रोगों की गंभीरता भी बढ़ जाती है। बच्चों में यह शारीरिक वृद्धि और सीखने की क्षमता को प्रभावित करती है, जबकि कामकाजी वर्ग में थकान और उत्पादकता में कमी लाती है। बुजुर्गों में यह कमजोरी और जटिलताओं को बढ़ावा देती है।

सरकार ने पोषण अभियान, मिड-डे मील, आयरन-फोलिक एसिड सप्लीमेंटेशन और खाद्य सुरक्षा योजनाओं के माध्यम से सराहनीय प्रयास किए हैं। लेकिन केवल दवाइयों और सप्लीमेंट्स के भरोसे इस समस्या का स्थायी समाधान संभव नहीं है। दीघर्कालिक समाधान के लिए जरूरी है कि पोषण भोजन के माध्यम से, सुरक्षित और टिकाऊ तरीके से मिले। यहां पर बायोटेक्नोलॉजी एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। अक्सर बायोटेक्नोलॉजी को जटिल प्रयोगशालाओं तक सीमित विज्ञान माना जाता है, जबकि वास्तव में यह हमारे दैनिक जीवन से गहराई से जुड़ी हुई है। बायोफोटिफाईड फसलें, जिनमें प्राकृतिक रूप से अधिक आयरन, जिंक या विटामिन मौजूद होते हैं, इसका एक उदाहरण हैं। ऐसे खाद्य पदार्थ बिना खान-पान की आदत बदले बेहतर पोषण प्रदान कर सकते हैं।

इसके अलावा, किण्वन और लाभकारी सूक्ष्मजीवों की भूमिका भी अत्यंत महत्वपूर्ण है—जो हमारी पारंपरिक खाद्य संस्कृति का हिस्सा रहे हैं, जैसे दही, छाछ, इडली, डोसा और किण्वित पेय। आधुनिक बायोटेक्नोलॉजी इन परंपराओं को वैज्ञानिक आधार देकर पोषक तत्वों के बेहतर अवशोषण और आंतों के स्वास्थ्य को सुधारने में मदद करती है। फंक्शनल फूड्स और न्यूट्रास्यूटिकल्स का क्षेत्र भी संभावनाओं से भरा है, बशर्ते इन्हें जिम्मेदारी और किफायती तरीके से विकसित किया जाए। ये उत्पाद विलासिता नहीं, बल्कि विशिष्ट पोषण आवश्यकताओं को पूरा करने के साधन बन सकते हैं—खासकर कमजोर वर्गों के लिए।

सबसे महत्वपूर्ण पहलू है जागरूकता। कई बार पोषण की कमी का निदान नहीं हो पाता क्योंकि इसके लक्षणों को सामान्य कमजोरी समझ लिया जाता है। सार्वजनिक स्वास्थ्य संवाद में अब केवल वजन और कैलोरी नहीं, बल्कि सूक्ष्म पोषक तत्वों और संतुलित आहार पर भी जोर दिया जाना चाहिए। किशोरों, गर्भवती महिलाओं और कामकाजी वर्ग के लिए पोषण शिक्षा अत्यंत आवश्यक है। नीति स्तर पर, यदि बायोटेक्नोलॉजी आधारित पोषण समाधानों को सरकारी योजनाओं से जोड़ा जाए—जैसे बायोफोटिफाईड अनाज, स्कूल भोजन में पोषण संवर्धन—तो परिणाम कहीं अधिक प्रभावी हो सकते हैं। यह भी आवश्यक है कि बायोटेक्नोलॉजी नैतिकता, पारदशिर्ता और सुलभता के साथ आगे बढ़े। छिपी हुई भूख केवल पोषण की समस्या नहीं, बल्कि राष्ट्रीय विकास की चुनौती है।

आज आवश्यकता है कि पोषण को केवल स्वास्थ्य विभाग की ज़िम्मेदारी मानकर न देखा जाए, बल्कि इसे शिक्षा, कृषि, विज्ञान और सामाजिक चेतना से जोड़कर समझा जाए। जब तक परिवार स्तर पर यह समझ नहीं बनेगी कि संतुलित आहार क्या है और पोषक तत्व क्यों आवश्यक हैं, तब तक योजनाएं और तकनीकें भी सीमित प्रभाव ही डाल पाएंगी। पोषण साक्षरता को स्कूल पाठ्यक्रम, सामुदायिक कार्यक्रमों और जनसंचार माध्यमों के माध्यम से व्यापक रूप से फैलाना होगा। साथ ही, खाद्य उद्योग और वैज्ञानिक संस्थानों को मिलकर ऐसे समाधान विकसित करने होंगे। बायोटेक्नोलॉजी आधारित नवाचार तभी सफल होंगे जब वे आम आदमी की थाली तक पहुंचें। इसके लिए नीति-निर्माताओं, वैज्ञानिकों, शिक्षकों और चिकित्सकों के बीच बेहतर समन्वय आवश्यक है। स्वस्थ नागरिक ही सशक्त राष्ट्र की नींव होते हैं। पोषण में निवेश दरअसल देश के भविष्य में निवेश है—और इस निवेश का लाभ आने वाली पीढ़ियां अवश्य महसूस करेंगी।

अक्षय तृतीया पर अबूझ मुहूर्त में होंगे सभी शुभ कार्य

अक्षय तृतीया एक अबूझ मुहूर्त है, जो हर साल वैशाख मास की शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को मनाते हैं। 19 अप्रैल को यदि आप कोई नया काम आरंभ करने का विचार कर रहे हैं, तो यह दिन विशेष रूप से अनुकूल रहेगा।

हिंदू पंचांग के अनुसार वैशाख शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को मनाई जाने वाली अक्षय तृतीया इस वर्ष 19 अप्रैल को पड़ेगी। यह तिथि अपने आप में अबूझ मानी जाती है, यानी कि इस दिन कोई भी शुभ कार्य बिना मुहूर्त देखे किया जा सकता है। शास्त्रों के अनुसार, अक्षय तृतीया के दिन किए गए पुण्य कर्मों का फल कभी क्षीण नहीं होता, इसीलिए इस दिन की विशेष मान्यता है। आइए इसी क्रम में जानते हैं कब से शुरू हुई अक्षय तृतीया की शुरुआत और यह क्यों मानी जाती है इतनी फलदायी।

कब से कब तक है तृतीया तिथि?

19 अप्रैल को अक्षय तृतीया का पर्व मनाया जाएगा। इस दिन लोग विवाह, गृह प्रवेश, वाहन या संपत्ति खरीदने, व्यापार आरंभ करने जैसे कार्यों को शुभ मानते हैं। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, अक्षय तृतीया के दिन सतयुग, त्रेतायुग और द्वापरयुग की शुरुआत हुई थी। ऐसा भी कहा जाता है कि इस दिन भगवान विष्णु ने परशुराम के रूप में अवतार लिया था और मां गंगा का धरती पर अवतरण भी इसी तिथि को हुआ था। यही नहीं, चारधाम यात्रा की शुरुआत भी अक्षय तृतीया से होती है, जिससे इस तिथि का महत्व और बढ़ जाता है।

क्यों सोना खरीदना होता है शुभ?

इस दिन सोना-चांदी खरीदने की परंपरा भी वर्षों से चली आ रही है। मान्यता है कि इस दिन खरीदी गई चीजें घर में सुख-समृद्धि लेकर आती हैं और धन में वृद्धि होती है। इसलिए बाजारों में खास चहल-पहल देखी जाती है।

धार्मिक महत्व

ज्योतिषियों के अनुसार, अक्षय तृतीया पर किए गए कार्यों का फल स्थायी होता है। ऐसे में जिन लोगों ने लंबे समय से कोई शुभ कार्य टाल रखा है, वे इस दिन का लाभ उठा सकते हैं। धार्मिक दृष्टिकोण से भी यह तिथि अत्यंत पुण्यदायी मानी गई है।

अक्षय तृतीया पर ही हुआ था त्रेता और सतयुग का आरंभ

अक्षय तृतीया के पर्व को आखा तीज के नाम से भी जाना है। इस दिन को परशुराम जयंती के रूप में भी मनाई जाती है। यह पर्व हिंदू और जैन दोनों ही धर्म के भक्तों के लिए विशेष होता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार अक्षय तृतीया तिथि पर ही त्रेता और सतयुग का आरंभ भी हुआ था, इसलिए इसे कृतयुगादि तृतीया भी कहते हैं।

हिंदू धर्म में अक्षय तृतीया के पर्व का विशेष महत्व होता है। हिंदू मान्यताओं के अनुसार यह तिथि बहुत ही शुभ और महत्वपूर्ण मानी गई है। वैदिक पंचांग के अनुसार अक्षय तृतीया का पर्व हर वर्ष वैशाख माह के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को मनाया जाता है। अक्षय का अर्थ होता है, जिसका कभी क्षय न हो या फिर जिसका कभी नाश न हो। इस तिथि को अबूझ मुहूर्त माना गया है, यानी इस तिथि पर किसी भी शुभ कार्य और मांगलिक कार्य को करने के लिए मुहूर्त का विचार नहीं करना पड़ता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार इस शुभ पर्व पर किया जाने वाले दान-पुण्य, पूजा-पाठ, जाप-तप और शुभ कर्म करने पर मिलने वाला फलों में कमी नहीं होती है। इस दिन सोने के गहने खरीदने और मां लक्ष्मी की पूजा करने का विशेष महत्व होता है।

अक्षय तृतीया का महत्व

अक्षय तृतीया के पर्व को आखा तीज के नाम से भी जाना है। इस दिन को परशुराम जयंती के रूप में भी मनाई जाती है। यह पर्व हिंदू और जैन दोनों ही धर्म के भक्तों के लिए विशेष होता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार अक्षय तृतीया तिथि पर ही त्रेता और सतयुग का आरंभ भी हुआ था, इसलिए इसे कृतयुगादि तृतीया भी कहते हैं। अक्षय तृतीया तिथि की अधिष्ठात्री देवी पार्वती हैं। इस पर्व पर स्नान, दान, जप, यज्ञ, स्वाध्याय और तर्पण आदि जो भी कर्म किए जाते हैं वे सब अक्षय हो जाते हैं। यह तिथि सम्पूर्ण पापों का नाश करने वाली और सभी सुखों को प्रदान करने वाली मानी गई है। शुभ कार्यों को संपन्न करने के लिए अक्षय तृतीया की तिथि बहुत ही खास मानी गई है। इस दिन नई योजना को शुरू करने, नए व्यवसाय, नौकरी, नए घर में प्रवेश करने और शुभ खरीदारी के लिए बहुत ही शुभ माना गया है।

स्वयं सिद्ध अबूझ मुहूर्त है अक्षय तृतीया

शास्त्रों में अक्षय तृतीया तिथि को स्वयं सिद्ध अबूझ मुहूर्त माना गया है। यानी इस तिथि पर बिना मुहूर्त का विचार किए सभी प्रकार के शुभ कार्य संपन्न किया जा सकता है। इस दिन कोई भी शुभ मांगलिक कार्य जैसे विवाह, गृह प्रवेश, सोने-चांदी के आभूषण. घर, भूखंड या वाहन आदि की खरीदारी से सम्बंधित कार्य किए जा सकते हैं। ऐसी मान्यता है कि इस अबूझ मुहूर्त की तिथि पर व्यापार आरम्भ, गृह प्रवेश, वैवाहिक कार्य, सकाम अनुष्ठान, दान-पुण्य,पूजा-पाठ अक्षय रहता है अर्थात वह कभी नष्ट नहीं होता।

ज्योतिषीय महत्व

हिंदू पंचांग के अनुसार हर वर्ष अक्षय तृतीया का त्योहार वैशाख माह के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को मनाया जाता है। वैदिक ज्योतिष शास्त्र में भी इस तिथि का विशेष महत्व होता है। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार जब अक्षय तृतीया का पर्व आता है तब सूर्य अपनी उच्च राशि मेष में रहते हैं, साथ ही इस तिथि पर चंद्रमा वृषभ राशि में मौजूद होते हैं। माना जाता है इस दौरान सूर्य और चंद्रमा दोनों ही सबसे ज्यादा चमकीले यानी सबसे ज्यादा प्रकाश उत्सर्जित करते हैं। इस तरह से अक्षय तृतीया पर ज्यादा से ज्यादा प्रकाश पृथ्वी की सतह पर मौजूद रहता है। इस कारण से इस अवधि को सबसे शुभ समय माना जाता है।

व्रत और संपूर्ण पूजा विधि

हिंदू धर्म में सभी तिथियों में अक्षय तृतीया का विशेष तिथि माना गया है। अक्षय तृतीया सर्व सिद्धि मुहूर्तों में से एक मुहूर्त है। इस दिन भगवान विष्णु और मां लक्ष्मी की आराधना का विशेष महत्व होता है। अपने और परिवार की सुख- समृद्धि के लिए व्रत रखने का महत्व होता है। अक्षय तृतीया पर सुबह जल्दी उठकर गंगा स्नान या घर में ही गंगाजल मिलाकर स्नान करके श्री विष्णुजी और मां लक्ष्मी की प्रतिमा पर अक्षत चढ़ाना चाहिए। फिर इसके बाद श्वेत कमल के पुष्प या श्वेत गुलाब, धूप-अगरबत्ती और चन्दन इत्यादि से पूजा अर्चना करनी चाहिए। नैवेद्य के रूप में जौ, गेंहू, या सत्तू, ककड़ी, चने की दाल आदि अर्पित करें। इस दिन ब्राह्मणों को भोजन करवाएं और उन्हें दान-दक्षिणा करके उनका आशीर्वाद प्राप्त करें।

अक्षय तृतीया पर्व से जुड़े महत्वपूर्ण तथ्य

- अक्षय तृतीया तिथि पर भगवान विष्णु के छटे अवतार भगवान श्री परशुराम जी की जयंती भी मनाई जाती है। भगवान परशुराम को चिरंजीवी माना गया है इस कारण से इस चिरंजीवी तिथि भी कहा जाता है।
- अक्षय तृतीया पर ही सतयुग और त्रेतायुग का प्रारंभ हुआ था।
- भगवान विष्णु के अवतार नर-नारायण और हयग्रीव का अवतरण अक्षय तृतीया तिथि पर ही हुआ था।
- इस तिथि पर ही ब्रह्माजी के पुत्र अक्षय कुमार का आविर्भाव हुआ था।
- अक्षय तृतीया के दिन ही वेद व्यास और श्रीगणेश द्वारा महाभारत ग्रंथ के लेखन का प्रारंभ किया गया था।
- अक्षय तृतीया के पर्व के दिन ही महाभारत के युद्ध का समापन हुआ।
- धार्मिक मान्यताओं के अनुसार अक्षय तृतीया की तिथि पर ही मां गंगा का पृथ्वी में आगमन हुआ था।
- इस तिथि पर ही हर वर्ष श्री बद्रीनाथ के कपाट खोले जाते हैं ।
- अक्षय तृतीया तिथि पर ही वृन्दावन के श्री बांकेबिहारी जी के मंदिर में सम्पूर्ण वर्ष में केवल एक बार श्री विग्रह के चरणों के दर्शन होते हैं।
- अक्षय तृतीया तिथि से ही उड़ीसा के प्रसिद्धि पुरी रथ यात्रा के लिए रथों के निर्माण का कार्य शुरू हो जाता है।

वैशाख शुक्ल तृतीया भगवान परशुराम जयंती

वैशाख शुक्ल तृतीया की परशुराम जयंती एक व्रत एवं उत्सव के रूप में मनाई जाती है। 'भृगुवंश के परशुराम वेदर्षि जमदग्नि एवं इक्ष्वाकू वंश की राजकन्या रेणुका के पुत्र थे। अतः ब्रह्मवर्चस एवं क्षात्रतेज से उद्दीप्त वंश में परशुराम का जन्म हुआ।

परशुराम शंकर को प्रसन्न करने के लिए तपश्चर्या करने गए। उन्होंने अपनी असीम भक्ति से शिवजी को प्रसन्न कर लिया। इसीलिए शिवजीने उन्हें दिव्य अस्त्रों के साथ-साथ अपना अजेय एवं अभेद्य परशु त्र्यंबकदंड देते हुए आदेश दिया, जाओ आततायी, अनन्य अनाचारी, अत्याचारी, आतंकवादी, आसुरी एवं मदांधों से पृथ्वी को मुक्त करो।' अतः वाल्मीकि ने इसे 'क्षत्रविमर्दन' न कहकर 'राजविमर्दन' कहा है।

अग्रतः चतुरो वेदाः पृष्ठतः सशरं धनुः ।
इदं ब्राह्मं इदं क्षात्रं शापादपि शरादपि ।।

अर्थ - मेरे मुख में चारों वेदों का ज्ञान है तथा पीठपर बाणों का तरकश एवं धनुष्य है। अर्थात क्षात्रतेज एवं ब्राह्मतेज है, इसलिए समय आने पर श्राप से अथवा युद्ध कर संहार करूंगा।

धनुर्विद्याके सर्वोत्तम शिक्षक

एक बार शस्त्र नीचे रखने के पश्चात परशुराम ने क्षत्रियों से बैर भाव छोड दिया। तदुपरांत उन्होंने ब्राह्मण, क्षत्रिय सभी को समभाव से अस्त्र विद्या सिखानी आरंभ की। महाभारत के भीष्माचार्य, द्रोणाचार्य जैसे योद्धा परशुराम के ही शिष्य थे।

दानवीर

परशुराम ने क्षत्रिय वध के लिए जो युद्ध किए, उससे उन्हें संपूर्ण पृथ्वी पर स्वामित्व प्राप्त हो गया था । अश्वमेध यज्ञ कर, अंत में यज्ञ के अध्वर्यु कश्यप ऋषि को परशुराम ने सर्व भूमि दान कर दी ।

भूमि की नवनिर्मिति

महर्षि कश्यप यह जानते थे कि परशुरामजी के इस भूमि पर रहते, क्षत्रिय कुल का उत्कर्ष नहीं होगा; अत- उन्होंने परशुरामजी से कहा, 'अब इस भूमि पर मेरा अधिकार है । अत- तुम यहां नहीं रह सकते हो।' तब परशुरामजी ने समुद्र हटाकर अपना क्षेत्र निर्माण किया । वैतरणा से कन्याकुमारी तक के भूखंड को परशुराम क्षेत्र की संज्ञा दी गई है।

अक्षय तृतीया को क्यों कहते हैं आखातीज?

पूरे वर्ष में साढ़े तीन अबूझ मुहूर्त होते हैं। पहला चैत्र शुक्ल प्रतिपदा, दूसरा विजया दशमी और तीसरा अक्षय तृतीया। आधा मुहूर्त कार्तिक शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा को रहता है। विभिन्न मतांतर से देवप्रबोधिनी एकादशी को भी अबूझ और पवित्र मुहूर्त में शामिल किया जाता है। अबूझ मुहूर्त का अर्थ होता है कि इन तिथियों के दिन पूरे दिन ही शुभ मुहूर्त रहता है इसलिए मुहूर्त देखने की जरूरत नहीं होती है। आखा का अर्थ संपूर्ण, छानना छलनी, खुरजी, एक विशेष प्रकार का बर्तन। लेकिन यहां इसका अर्थ कभी न नष्ट होने वाले से है। अविनाशी मुहूर्त या अबूझ मुहूर्त। उपर्युक्त तिथियों को स्वयं सिद्ध मुहूर्त की मान्यता प्राप्त है। इन तिथियों में बिना मुहूर्त का विचार किए नवीन कार्य प्रारम्भ किए जा सकते हैं। इसीलिए अक्षता तृतीया पर अधिकतर लोग विवाह करते हैं। ऐसी मान्यता है कि इस दिन से प्रारम्भ किए गए कार्य अथवा इस दिन को किए गए दान का कभी भी क्षय नहीं होता।

अक्षय तृतीया सनातन धर्म का प्रसिद्ध त्यौहार है जो लोकभाषा में आखातीज या वैशाख तीज के नाम से भी जाना जाता है। यह पर्व हिन्दू धर्म के अलावा जैन धर्म का भी शुभ त्यौहार है। अक्षय तृतीया को भारत और नेपाल में हिन्दुओं व जैनियों द्वारा एक शुभ समय के रूप में मनाया जाता है। ऐसा माना जाता है कि इस दिन जो भी कार्य किये जाते है, उनका अक्षय फल मिलता है, इसलिए इस दिन को अक्षय तृतीय कहा जाता है। अक्षय तृतीया तिथि को अत्यंत सौभाग्यशाली माना जाता है।

अक्षय तृतीया पर मां लक्ष्मी की कृपा पाने के लिए क्या करें क्या न करें

अक्षय तृतीया का पावन पर्व वैशाख मास के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को मनाया जाता है। लोकभाषा में इसे आखातीज या वैशाख तीज भी कहा जाता है। त्रेता और सतयुग का आरम्भ भी इसी तिथि को हुआ था, इसलिए इसे कृतयुगादि तृतीया भी कहते हैं। अक्षय तृतीया का पावन पर्व वैशाख मास के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को मनाया जाता है। लोकभाषा में इसे आखातीज या वैशाख तीज भी कहा जाता है। त्रेता और सतयुग का आरम्भ भी इसी तिथि को हुआ था, इसलिए इसे कृतयुगादि तृतीया भी कहते हैं। भविष्य पुराण के अनुसार इस दिन स्नान, दान, जप, होम, स्वाध्याय, तर्पण आदि जो भी कर्म किए जाते हैं,वे सब अक्षय हो जाते हैं। यह तिथि सम्पूर्ण पापों का नाश करने वाली और सभी सुखों को प्रदान करने वाली मानी गई है। आइए जानते हैं कि अक्षय तृतीया पर कौन से कार्य करने से जीवन में खुशहाली आती है।

शुभ कार्य आरंभ

बिना पंचांग देखे भी इस दिन कोई भी शुभ मांगलिक कार्य जैसे विवाह, गृह प्रवेश, घर, भूखंड या वाहन आदि की खरीदारी से सम्बंधित कार्य किए जा सकते हैं। व्यापार आरम्भ, गृह प्रवेश, वैवाहिक कार्य, सकाम अनुष्ठान, दान-पुण्य, पूजा-पाठ अक्षय रहता है अर्थात वह कभी नष्ट नहीं होता।

सोना खरीदना है शुभ

धर्मग्रंथों के अनुसार स्वर्ण में देवी लक्ष्मी का वास माना गया है, इसलिए इस दिन सोने-चांदी के आभूषण खरीदना काफी शुभ माना जाता है। मान्यता है कि इससे पूरे साल घर में सुख और समृद्धि आती है।

शिव-पार्वती की पूजा

इस दिन भगवान शिव, माता पार्वती, भगवान विष्णु और मां लक्ष्मी की पूजा करने से इनकी कृपा बरसती है। समृद्धि और जीवन धन-धान्य से भरपूर होता है और इनकी पूजा से मनुष्य को संतान सुख मिलता है।

वृक्ष लगाएं

इस दिन पीपल, आम, पाकड़, गूलर, बरगद, आंवला, बेल, जामुन व अन्य फलदार वृक्ष लगाने से प्राणी को सभी प्रकार के सुख प्राप्त होते हैं। जिस प्रकार अक्षय तृतीया को लगाए गए वृक्ष हरे-भरे होकर पल्लवित-पुष्पित होते हैं उसी प्रकार इस दिन वृक्षारोपण करने वाला व्यक्ति भी प्रगति पथ की ओर अग्रसर होता है।

सत्तू और नीम की कोपल

इस दिन भगवान श्रीकृष्ण को नैवेद्ध में गेहूं, जौ, चने का सत्तू, मिश्री, नीम की कोपल, ककड़ी और चने की भीगी दाल अर्पित की जाती है। मान्यता है कि इस दिन सत्तू अवश्य खाना चाहिए।

दान करें

अक्षय तृतीया के दिन जल से भरे घड़े, कुल्हड़, सकोरे, पंखे, पादुका, चटाई, छाता, चावल, नमक, घी, खरबूज़ा, ककड़ी, मिश्री, सत्तू आदि गर्मी में लाभकारी वस्तुओं का दान महापुण्यकारी माना गया है। शास्त्रों के अनुसार इस दिन दान देने वाला प्राणी सूर्यलोक को जाता है। जो इस तिथि को उपवास करता है वह सुख-शांति, ऐश्वर्य और श्री से संपन्न हो जाता है।

ये न करें - अक्षय तृतीया वर्ष के श्रेष्ठतम मुहूर्तों में से एक है। इस दिन किया गया कोई भी शुभ-अशुभ कार्य निष्फल नहीं होता। इसलिए इस दिन कोई भी अप्रिय कार्य नहीं करना चाहिए यदि आप ऐसा करते हैं तो वह उसी रूप में उम्र भर आपका पीछा करता रहेगा। यदि इस दिन महिलाएं उपवास करती हैं तो मान्यता के अनुसार उन्हें यह व्रत करते हुए नमक का पूरी तरह से त्याग करना चाहिए।

एपैरल ग्रुप के ब्रांड विक्टोरिया सीक्रेट इंडिया ने

तृप्ति डिमरी को बनाया ब्रांड एंबेसडर

इस कैंपेन में जानी-मानी भारतीय अभिनेत्री और नई ब्रांड एंबेसडर तृप्ति डिमरी नजर आ रही हैं। समर सिग्नेचर कलेक्शन में आरामदायक और आसानी से पहनने वाली लॉन्जरी और स्लीपवियर शामिल हैं, जिनमें ब्रांड का सिग्नेचर स्ट्राइप डिज़ाइन देखने को मिलता है। इस कलेक्शन की सादगी और ग्लैमर के साथ तृप्ति का सहज आत्मविश्वास इस कैंपेन को और भी खास बनाता है।इस कलेक्शन में सिग्नेचर स्ट्राइप लोगो टी-शर्ट, वायरलेस ब्रा और सिग्नेचर स्ट्राइप लोगो पैंटी जैसे प्रोडक्ट्स शामिल हैं, जो रोज़मर्रा के आराम के लिए बनाए गए हैं। वहीं, स्लीपवेयर में सिग्नेचर स्ट्राइप्ड साटन स्लिप और सिग्नेचर स्ट्राइप्डसाटन लॉन्ग पायजामा सेट शामिल हैं, जो आराम के साथ हल्कापन और लक्ज़री एहसास देते हैं। इसके साथ ही समर सिग्नेचर के साथ कूल एयर कलेक्शन और कैंपेन भीलॉन्च किया गया है, जिसमें तृप्ति डिमरी नजर आ रही हैं। तृप्ति डिमरी ने कहा, 'विक्टोरिया सीक्रेट के साथ जुड़कर मैं बेहद उत्साहित हूँ। यह एक ऐसा ब्रांडहै, जो हर महिला की अपनी पहचान को सेलिब्रेट करता है और उसे आत्मविश्वास के साथ खुद को अपनाने के लिए प्रेरित करता है। सिग्नेचर कूलब्रा और समर सिग्नेचर कलेक्शन खास तौर पर आराम और सहजता पर आधारित हैं और यही बात मुझे सबसे ज्यादा पसंद आई। '

ग्लोबल फैशन और लाइफस्टाइल रिटेल कंपनी, अपैरल ग्रुप ने तृप्ति डिमरी को विक्टोरिया सीक्रेट इंडिया का पहली ब्रांड एंबेसडर बनाया है।विक्टोरिया सीक्रेट, जिसमें इसके प्रमुख ब्रांड्स विक्टोरिया सीक्रेट और पिंक शामिल हैं, ने भारत में अपना समर सिग्नेचर कैंपेन लॉन्च किया है। ये ब्रांड्स आत्मविश्वास, खुशी और आकर्षण को बढ़ावा देने पर फोकस करते हैं।

रोहित शेट्टी केस:

यूपी एसटीएफ और मुंबई क्राइम ब्रांच की कार्रवाई, आगरा से पंद्रहवां आरोपी भी अरेस्ट

मुंबई में चर्चित रोहित शेट्टी फायरिंग मामले में पुलिस को एक और बड़ी सफलता हाथ लगी है। मुंबई क्राइम ब्रांच ने गुरुवार को इस मामले में फरार चल रहे आरोपी प्रदीप कुमार उर्फ गाठ को उत्तर प्रदेश के आगरा से गिरफ्तार कर लिया है। यह गिरफ्तारी यूपी एसटीएफ और मुंबई क्राइम ब्रांच की संयुक्त कार्रवाई के तहत की गई। मुंबई क्राइम ब्रांच के अनुसार, आरोपी प्रदीप कुमार उर्फ गाठ फायरिंग की घटना के समय मौके पर मौजूद था और वारदात के बाद से लगातार फरार चल रहा था। उसकी तलाश में पुलिस कई दिनों से जुटी हुई थी और आखिरकार उसे आगरा से पकड़ लिया गया। इस गिरफ्तारी के साथ ही रोहित शेट्टी फायरिंग मामले में अब तक कुल 15 आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। इससे पहले पुलिस 14 आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी है। इनमें शूटर, हथियार सप्लाई करने वाले और लॉजिस्टिक सपोर्ट देने वाले लोग शामिल हैं। क्राइम ब्रांच से मिली जानकारी के मुताबिक फायरिंग के समय प्रदीप कुमार उर्फ गाठ भी मौजद था। घटना के बाद से फरार था जिसकी तलाश मुंबई क्राइम ब्रांच कर रही थी। आपको बताते चलें, 31 जनवरी की देर रात जुहू स्थित रोहित शेट्टी के घर पर हमलावरों ने अंधाधुंध फायरिंग की थी। हमलावरों ने इमारत की पहली मंजिल को निशाना बनाते हुए कई राउंड गोलियां चलाई थीं। इस घटना के बाद इलाके में दहशत फैल गई थी। घटना के तुरंत बाद मुंबई पुलिस हरकत में आई और इस पूरे मामले की जांच शुरू की गई। जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि इस हमले के पीछे उगाही का मकसद था। आरोपियों को पैसों का लालच देकर इस वारदात के लिए तैयार किया गया था। मुख्य शूटर दीपक शर्मा को 15 लाख रुपए देने का वादा किया गया था, जिसमें से 50 हजार रुपए एडवांस दिए गए थे।

'जगधात्री' में माया का किरदार मेरे जैसा ही

परिवार के लिए कुछ भी कर सकती हूं: सायंतनी घोष

टेलीविजन की दुनिया में कई ऐसे किरदार होते हैं, जो दर्शकों के दिलों में बस जाते हैं। खासतौर पर जब कोई किरदार भावनाओं, रिश्तों और संघर्षों से भरा हो, तो वह लोगों को अपनी जिंदगी से जुड़ा हुआ महसूस होता है। ऐसे ही एक मजबूत किरदार को इन दिनों दर्शक टीवी शो 'जगधात्री' में देख रहे हैं, जिसे अभिनेत्री सायंतनी घोष निभा रही हैं। इस बीच उन्होंने अपने किरदार और उससे जुड़ी भावनाओं को साझा किया। शो की कहानी इन दिनों एक अहम मोड़ पर है, जहां रिश्तों, सच्चाई और धोखे के बीच टकराव देखने को मिल रहा है। हाल के एपिसोड्स में रुद्र (आयुष श्रीवास्तव) शिवाय पर गोली चला देता है। शिवाय का किरदार फरमान हैदर निभा रहे हैं। वहीं जगधात्री (सोनाक्षी बत्रा) को पूरा यकीन होता है कि इस हमले के पीछे रुद्र ही है। वह सच्चाई सामने लाने की कोशिश करती है, लेकिन उसके पास पुख्ता सबूत नहीं होते, क्योंकि रुद्र बेहद चालाकी से अपने सारे निशान मिटा देता है। इसी बीच माया देशमुख (सायंतनी घोष) का किरदार कहानी में एक अहम मोड़ लेकर आता है। माया, जो रुद्र की बहन है, अपने भाई के खिलाफ लगे आरोपों को मानने से साफ इनकार कर देती है। वह अपने परिवार के साथ मजबूती से खड़ी रहती है और किसी भी हाल में उसे टूटने नहीं देना चाहती। माया के दिल में जगधात्री और शिवाय के लिए भी इमोशन्स हैं, लेकिन इसके बावजूद वह अपने परिवार को प्राथमिकता देती है।

शो की कहानी इन दिनों एक अहम मोड़ पर है, जहां रिश्तों, सच्चाई और धोखे के बीच टकराव देखने को मिल रहा है। हाल के एपिसोड्स में रुद्र (आयुष श्रीवास्तव) शिवाय पर गोली चला देता है। शिवाय का किरदार फरमान हैदर निभा रहे हैं। वहीं जगधात्री (सोनाक्षी बत्रा) को पूरा यकीन होता है कि इस हमले के पीछे रुद्र ही है।

सायंतनी घोष ने कहा, ''माया का रोल मेरे करियर के सबसे खास अनुभवों में से एक है। यह किरदार सिर्फ ऊपर से मजबूत नहीं दिखता, बल्कि इसके अंदर कई तरह की भावनाएं और उलझनें हैं।

मृणाल और सिद्धांत का देखिए जादू

अब ओटीटी पर 'दो दीवाने सहर में' का उठाएं लुत्फ

सिनेमा में अक्सर परफेक्ट लव स्टोरी दिखाई जाती है। लेकिन, असल जिंदगी इससे बिल्कुल अलग होती है। वास्तव में कोई इतना परफेक्ट नहीं होता है। इसी सच्चाई को फिल्म 'दो दीवाने सहर में' में दिखाया गया है। इस फिल्म के जरिए अभिनेता सिद्धांत चतुर्वेदी और मृणाल ठाकुर पर्दे पर साथ में नजर आए थे। फिल्म को वेलेंटाइन वीके के दौरान रिलीज किया गया था। इसे दर्शकों ने खूब सराहा था। हालांकि, फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कमाल नहीं दिखा सकी थी, लेकिन लोगों ने सिद्धांत और मृणाल की जोड़ी को खूब पसंद किया था। मेकर्स ने बताया कि अब घर बैठे भी फिल्म का आनंद ले सकेंगे क्योंकि इसे ओटीटी पर स्ट्रीम किया जाएगा। अभिनेत्री मृणाल ठाकुर ने इंस्टाग्राम प फिल्म का पोस्टर शेयर किया और लिखा, 'फिल्म 17 अप्रैल को नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम की जाएगी। ' फिल्म एक आधुनिक रोमांटिक ड्रामा है। यह फिल्म दो ऐसे लोों की कहानी है, जो यह सिखाती है कि हर वक्त परफेक्ट होना जरूरी नहीं है। फिल्म की कहानी मुंबई की पृष्ठभूमि पर आधारित है। यह आधुनिक शहरकी भागदौड़ में पर्सनल इनसिक्योरिटी (हकलाना, बॉडी इमेज) से जूझते दो लोगों की कहानी है। शशांक (सिद्धांत चतुर्वेदी) एक कॉरपोरेट पेशेवर हैजो बोलने की समस्या (हकलाने) से जूझता है, और रोशनी (मृणाल ठाकुर) अपनी शारीरिक छवि को लेकर असुरक्षित है। दोनों मुंबई के तनावपूर्णजीवन में एक-दूसरे के सहारे खुद को तलाशते हैं। फिल्म 'दो दीवाने सहर में' का निर्देशन रवि उद्यावर ने किया है। वहीं, संजय लीला भंसाली के साथ प्रेरणा सिंह, उमेश कुमार बंसल और भरत कुमार मिलकर इसे प्रोड्यूस किया है। मृणाल और सिद्धांत के अलावा, फिल्म में इला अरुण, जॉय सेनगुप्ता, आयेशा रजा, संदीपा धर समेत कई कलाकार नजर आएंगे। यह फिल्म 20 फरवरी को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी।

'मैं एक बहुत ही सेक्युलर पर्सन हूं'

चाहत खन्ना ने शादी से पहले इस्लाम कुबूल करने और अपने सेक्युलर होने को लेकर भी बातें कीं। उन्होंने बताया कि इस्लाम कुबूल करने का फैसला उनका अपना था। उन्होंने कहा कि वो हर धर्म में यकीन करती हैं।

चाहत खन्ना ने इस्लाम धर्म को कुबूल करने पर एक बार फिर से अपनी बात रखी है। उन्होंने ये भी कहा कि अक्सर उनकी बातों को गलत तरीके से पेश किया जाता है।'बड़े अच्छे लगते हैं' फेम चाहत ने अपनी शादी से पहले इस्लाम धर्म अपनाने के अपने फैसले से लेकर इसके बाद पैदा हुई गलतफहमियों पर बातें कीं। उन्होंने हाल ही में एक इंटरव्यू में कहा कि इस्लाम धर्म अपनाने का फैसला उनका अपना था।

बातचीत में चाहत खन्ना ने अपने धर्म परिवर्तन को लेकर उठे विवाद पर बातें की। उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि ये उनका पर्सनल डिसिजन था। बता दें कि चाहत ने फरहान मिर्जा से शादी से पहले इस्लाम धर्म अपनाया था और फिर बाद में वो हिंदू धर्म में वापस लौट आईं। अपनी इस लेटेस्ट बातचीत में उन्होंने कहा कि उनकी बातों को अक्सर गलत संदर्भ में लिया जाता है, जिससे गलत खबरें फैलती हैं।

धर्म परिवर्तन का फैसला चाहत खन्ना का अपना था

उन्होंने कहा, 'मेरे शब्दों का अक्सर गलत अर्थ निकाला जाता है। अभी भी, अगर मैं कुछ कहती हूं तो एक वाक्य चुनकर कहीं और अलग संदर्भ में जोड़ दिया जाता है।' फरहान मिर्जा से शादी से पहले अपने धर्म परिवर्तन पर चल रही बातों पर एक्ट्रेस ने साफ-साफ कहा कि ये फैसला पूरी तरह से उनका अपना था। उन्होंने कहा, 'मैं सेक्युलर पर्सन हूं। मैं ईद और दिवाली दोनों ही सेलिब्रेट करती हूं। चाहे वो शादी के दौरान हो या बाद में, हां मैंने अपनी मर्जी से इस्लाम धर्म अपनाया था। कई लोगों ने कहा कि मुझे धर्म परिवर्तन के लिए मजबूर किया गया था लेकिन मैंने ये बातें कभी कही ही नहीं।' खन्ना ने कहा कि वो हर धर्म में यकीन करती हैं। उन्होंने कहा, 'मैं इस्लाम में विश्वास रखती हूं और मैं सनातन धर्म में भी विश्वास रखती हूं। लेकिन इसका मतलब ये नहीं है कि मैं बाकी धर्मों में यकीन नहीं करती। मैं एक बहुत ही सेक्युलर पर्सन हूं।'

भूत बंगला में अक्षय के प्रैंक से

कर्जदार बनीं वामिका-मिथिला

हॉरर-कॉमेडी फिल्म 'भूत बंगला' की स्टार कास्ट में शामिल वामिका गब्बी और मिथिला पालकर ने दैनिक भास्कर से खास बातचीत में अपने शूटिंग अनुभव साझा किए हैं। दोनों ने बताया कि सेट पर जहां एक तरफ प्रोफेशनल डिसिप्लिन था, वहीं दूसरी तरफ मस्ती और हल्के-फुल्के माहौल की कोई कमी नहीं थी। अक्षय कुमार के मजेदार प्रैंक्स और पूरी टीम की बॉन्डिंग ने शूट को यादगार बना दिया। साथ ही, दोनों अभिनेत्रियों ने अपनी जर्नी, शुरुआती संघर्ष और इंडस्ट्री में अपने अनुभवों पर भी खुलकर बात की है।

फिल्म की शूटिंग के दौरान सेट का माहौल कैसा था?

वामिका गब्बी- बिल्कुल, बाहर से देखने पर यही लगता है कि सब कुछ मस्ती-मजाक में हुआ होगा। लेकिन असल में सेट पर बहुत सीरियस काम भी चल रहा था। हां, मस्ती बहुत होती थी और वही माहौल हमें और सहज बना देता था। मेरे लिए तो ये एक फैमिली जैसा एक्सपीरियंस बन गया था।

आपका किरदार कैसा है? क्या ये एक टिपिकल बहन है या उसमें कोई ट्विस्ट भी देखने को मिलेगा?

मिथिला पलकर- मैं ज्यादा कुछ बताना नहीं चाहूंगी, वो तो आपको फिल्म देखकर ही पता चलेगा। लेकिन हां, ये एक ऐसी बहन है जिसकी कोई भी जिद हो, उसका भाई उसे जरूर पूरा करता है उनके रिश्ते में वही खूबसूरती है।

इतने बड़े कलाकारों के साथ काम करना जैसे अक्षय कुमार, परेश रावल और निर्देशक प्रियदर्शन कैसा अनुभव रहा?

वामिका गब्बी- शुरुआत में थोड़ा इंटिमिडेशन था क्योंकि मैंने उन्हें हमेशा स्क्रीन पर देखा है। लेकिन सेट पर उन्होंने माहौल इतना आसान और कम्फर्टेबल बना दिया कि कभी ऐसा नहीं लगा कि मैं इतने बड़े लोगों के साथ काम कर रही हूं। हर कोई बहुत सपोर्टिव था। इतने टैलेंटेड लोगों के बीच रहना ही अपने आप में एक सीख है। उनकी एनर्जी, उनका काम करने का तरीका सब कुछ बहुत इंस्पायरिंग था।

अपने किरदार की तैयारी के दौरान कोई चैलेंज आया?

मिथिला पलकर- नहीं, क्योंकि प्रियदर्शन सर ने सब कुछ बहुत आसान बना दिया। उन्होंने मुझे हर चीज में गाइड किया, जैसे हैंड-होल्डिंग करते हुए। मेरा सिर्फ एक ही डर था इतने बड़े कलाकारों के सामने परफॉर्म करना, लेकिन उन्होंने वो भी आसान कर दिया।

इतने बड़े स्टारकास्ट के साथ काम करने का अनुभव और आपकी पर्सनल जर्नी यूट्यूब से फिल्मों तक, आप इसे कैसे देखती हैं?

मिथिला पलकर- सच कहूं तो विश्वास ही नहीं होता है। इतने लेजेंड्स के साथ काम करना एक सपना जैसा है। शुरुआत में थोड़ा डर था, लेकिन सभी ने बहुत प्यार से अपनाया। जहां तक मेरी जर्नी की बात है, मेरा हमेशा से एक ही गोल था एक अच्छा एक्टर बनना। इंटरनेट ने मुझे बहुत कुछ दिया है और उसी की वजह से मुझे ये मौका भी मिला। मैं बस अच्छा काम करना चाहती हूं, चाहे वो किसी भी भाषा या प्लेटफॉर्म पर हो।

सेट पर अक्षय कुमार के मशहूर प्रैंक्स का अनुभव कैसा रहा? क्या आप भी कभी उनका शिकार बनीं?

वामिका गब्बी- एक सीन था जहां मुझे टेबल पर जंप करना था। मैं पूरी तैयारी के साथ शॉट दे रही थी, तभी अक्षय सर ने मुझे हल्का सा पुश कर दिया और मैं पूरी तरह चौंक गई! सब लोग हंसने लगे और मुझे तब समझ आया कि ये एक प्रैंक था। इसके अलावा हम सब सेट पर कार्ड्स, लूडो और अलग-अलग गेम्स खेलते थे। एक लेजर गेम भी खेलते थे, जिसमें ऊपर लगे बॉक्स पर निशाना लगाना होता था। उसमें तो मैं हारते-हारते करीब 12,000 रुपये की 'कर्जदार' हो गई थी! मिथिला पलकर- नहीं, मेरे साथ उन्होंने कोई प्रैंक नहीं किया। शायद वो एक प्रोटेक्टिव भाई की तरह थे।

आंगनबाड़ी कार्यकर्ता के सहयोग, ममता, मार्गदर्शन और मेहनत से खिला बेटी नन्ही चार्वी का बचपन

नई दृष्टिबिंदु / मोहला

नन्ही चार्वी की मुस्कान समर्पण, जागरूकता और सही देखभाल की एक प्रेरक कहानी है, जिले के मोहला विकासखंड के जनजातीय ग्राम राजाडेरा से सामने आई है।

28 दिसंबर 2025 को जन्मी नन्ही चार्वी का वजन मात्र 1.8 किलोग्राम था, जिसके कारण वह बेहद कमजोर और नाजुक थी। यह स्थिति परिवार के लिए चिंता का विषय बन गई, क्योंकि चार्वी की माँ पहली बार माँ बनी थीं और उन्हें नवजात शिशु की देखभाल के बारे में सीमित जानकारी थी। परिवार असमंजस में था कि इतनी कमजोर बच्ची की देखभाल कैसे की जाए, ताकि उसका स्वास्थ्य सुरक्षित रह सके और उसका विकास सही दिशा में हो।

इसी चुनौतीपूर्ण समय में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता श्रीमती अन्नपूर्णा आशा की किरण बनकर सामने आईं। उन्होंने नियमित गृह भेंट के माध्यम से न केवल चार्वी की स्थिति पर नजर रखी, बल्कि उसकी माँ को शिशु देखभाल के महत्वपूर्ण पहलुओं के बारे में विस्तार से समझाया। उन्होंने कंगारू मदर केयर की सरल और प्रभावी विधि अपनाने के लिए प्रेरित किया, जिसमें मां अपने शिशु को त्वचा से त्वचा संपर्क में रखती है। साथ ही उन्होंने केवल स्तनपान के महत्व को भी समझाया और बताया कि यह शिशु के संपूर्ण पोषण और प्रतिरक्षा के लिए कितना जरूरी है।

श्रीमती अन्नपूर्णा ने अपनी भूमिका को केवल एक परिवार तक सीमित नहीं रखा, बल्कि सुपोषण चौपाल और ग्राम स्वास्थ्य, स्वच्छता एवं पोषण दिवस सत्रों के माध्यम से पूरे समुदाय को जागरूक किया। उन्होंने वीडियो और संवाद के जरिए अन्य माताओं और परिवारों को भी नवजात शिशु की देखभाल, पोषण और स्वच्छता के प्रति सजग किया। उनके प्रयासों से न केवल नन्ही चार्वी के परिवार में बल्कि पूरे गांव में सकारात्मक बदलाव देखने को मिला।

धीरे-धीरे नन्ही चार्वी के परिवार ने सभी सुझावों को अपनाना शुरू किया। माँ ने आत्मविश्वास के साथ कंगारू मदर केयर और नियमित स्तनपान को अपनाया। निरंतर देखभाल और सही मार्गदर्शन का परिणाम यह हुआ कि कुछ ही समय में चार्वी का वजन 1.8 किलोग्राम से बढ़कर 3.3 किलोग्राम हो गया।

आज वही नन्ही चार्वी स्वस्थ, सक्रिय और मुस्कुराती हुई नजर आती है। उसकी मुस्कान न केवल उसके परिवार के लिए खुशी का कारण है, बल्कि पूरे गांव के लिए प्रेरणा का स्रोत बन गई है। यह कहानी बताती है कि यदि सही समय पर सही मार्गदर्शन, समर्पण और सामुदायिक सहयोग मिल जाए, तो हर चुनौती को अवसर में बदला जा सकता है और हर नन्ही जिंदगी को सुरक्षित और स्वस्थ भविष्य दिया जा सकता है।

खास खबर

जिले में जनगणना 2027 के अंतर्गत 3 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रारंभ

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

जिले में जनगणना 2027 के अंतर्गत आज से पदुमलाल पुन्नालाल बख्शी स्कूल राजनांदगांव में तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रारंभ किया गया। प्रशिक्षण में जनगणना कार्य से जुड़े अधिकारियों एवं कमर्चारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए जा रहे हैं। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को मकान सूचीकरण एवं आवास गणना की प्रक्रिया, प्रपत्रों के सही संधारण, आंकड़ा संकलन की विधि तथा कार्य के दौरान बरती जाने वाली सावधानियों के संबंध में विस्तार से जानकारी दी जा रही है। साथ ही निर्धारित समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण कार्य सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए। भारत सरकार द्वारा आयोजित जनगणना 2027 की तैयारियां जिले में तेजी से जारी हैं। जनगणना दो चरणों में आयोजित की जाएगी। जिसमें प्रथम चरण के अंतर्गत मकान सूचीकरण एवं आवास गणना का कार्य 1 मई 2026 से प्रारंभ किया जाएगा। अधिकारियों ने बताया कि जनगणना एक महत्वपूर्ण राष्ट्रीय कार्य है, जिसके माध्यम से प्राप्त आंकड़े शासन की योजनाओं के निर्माण एवं प्रभावी क्रियान्वयन में सहायक होते हैं। सभी संबंधित कमर्चारियों को पूर्ण जिम्मेदारी एवं गंभीरता के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करने के निर्देश दिए गए।

सीसीई एग्जामिनेशन की कोचिंग के लिए 30 तक आवेदन

राजनांदगांव। भारतीय थल सेना में अग्निवीर भर्ती हेतु लिखित परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण के संबंध में जिला रोजगार कार्यालय राजनांदगांव द्वारा निःशुल्क सीसीई एग्जामिनेशन की कोचिंग प्रदान की जाएगी। प्रशिक्षण हेतु इच्छुक आवेदकों से 30 अप्रैल 2026 तक ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित की गई है। प्रशिक्षण का आयोजन 4 मई से 4 जून 2026 तक की जाएगी। प्रशिक्षण में शामिल होने के लिए निर्धारित तिथि तक https://erojgar.cg.gov.in/ या गूगल फॉर्म https://forms.gle/EbD8ReSaa3MPZw788 के माध्यम से दर्ज करायी जा सकता है। इस संबंध में विस्तृत जानकारी जिला रोजगार कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है।

17 वरिष्ठ नागरिकों का एम्स रायपुर में होगा नि:शुल्क मोतियाबिंद ऑपरेशन

राजनांदगांव। अटल वयो अभ्युदय योजना अंतार्गता मोतियाबिंद मुक्त भारत अभियान के तहत डोंगरगांव विकासखंड के 17 वरिष्ठ नागरिकों को मोतियाबिंद ऑपरेशन के लिए उनके परिजनों के साथ विशेष बस से एम्स हास्पिटल (अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान) रायपुर के लिए रवाना किया गया। एम्स हॉस्पिटल में विषय विशेषज्ञों द्वारा जांच उपरान्त वरिष्ठ नागरिकों का निःशुल्क मोतियाबिंद आपरेशन किया जाएगा। अत्याधुनिक सुविधाओं से लेंस एम्स हास्पिटल में विशेष मेडिकल टीम की निगरानी में आपरेशन किया जाएगा।

उप संचालक समाज कल्याण श्रीमती वैशाली मरडवार ने बताया कि अटल वयो अभ्युदय योजना अंतर्गत मोतियाबिंद मुक्त भारत अभियान के तहत जिले को 100 वयो वृद्धजनों के मोतियाबिन्द आपरेशन कराने का लक्ष्य रखा गया है। जिसके तहत जिले के सभी विकास खण्डों में स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों में 60 वर्ष व 60 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के वरिष्ठ नागरिकों का कुशल नेत्र सहायकों द्वारा नेत्र परीक्षण कराया गया। प्रथम चरण में 25 वरिष्ठ नागरिकों का एम्स रायपुर में परीक्षण उपरान्त सफल आपरेशन किया गया है।

महिला आरक्षण बिल पर विपक्ष का विरोध, महिलाओं के अधिकारों के साथ अन्याय : विधायक भावना

नई दृष्टिबिंदु / कवर्धा

प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में नारी शक्ति वंदन अधिनियम के तहत महिलाओं को लोकसभा और विधानसभा में 33% आरक्षण देने वाले ऐतिहासिक संवैधानिक संशोधन विधेयक शुक्रवार को लोकसभा में पारित नहीं हो पाया। इस अधिनियम को पारित होने से रोकने के लिए कांग्रेस, टीएमसी, डीएमके और समाजवादी पार्टी द्वारा एकजुट होकर महिलाओं के लिए लाये गए इस अधिकार का विरोध करते हुए लोकसभा सदन में उसे पारित होने से रोक दिया गया।

विपक्षी पार्टियों द्वारा किये गए इस कृत्य पर प्रतिक्रिया देते हुए पंडरिया विधायक भावना बोहरा ने कहा कि महिलाओं को नेतृत्व और निति निर्माण की दिशा में विशेष स्थान देने के लिए प्रधानमन्त्री मोदी और गृह मंत्री शाह के नेतृत्व में नारी शक्ति वंदन अधिनियम पारित करने हेतु 16 से 18 अप्रैल तक लोकसभा में विशेष सत्र बुलाया गया है लेकिन, विपक्षी पार्टियों द्वारा लोकसभा में जो किया गया, वह भारत की प्रत्येक महिला के सम्मान और अधिकारों के साथ सीधा अन्याय है। नारी शक्ति वंदन अधिनियम के माध्यम से महिलाओं को 33% आरक्षण देने का ऐतिहासिक अवसर विपक्ष ने एक बार फिर अपने राजनीतिक स्वार्थ के लिए कुर्बान कर दिया। कांग्रेस, टीएमसी, डीएमके और समाजवादी पार्टी ने मिलकर महिलाओं के सशक्तिकरण की इस पहल को रोकने का जो निंदनीय काम किया वह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। चुनाव के दौरान लड़की हूँ लड़ सकती हूँ का नारा देने वाली कांग्रेस पार्टी और उनके साथ अन्य विपक्षी पार्टियों ने इस अधिनियम में बाधा लाने का जो कार्य किया है उससे स्पष्ट है कि उनके लिए महिलाएं केवल एक वोट बैंक हैं, लेकिन मैं कहना चाहती हूँ कि महिलाएं केवल वोट बैंक नहीं हैं, वे इस देश की शक्ति हैं, भविष्य हैं। उनके अधिकारों को बार-बार कुचलने की यह मानसिकता देश कभी स्वीकार नहीं करेगा।

उन्होंने आगे कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने महिलाओं के सुरक्षा, सम्मान, सहभागिता और उनके स्वाभिमान को अपनी नीतियों के केंद्र में रखकर उन्हें प्रतिनिधित्व का अवसर देने का सार्थक प्रयास किया,लेकिन विपक्षी पार्टियों ने महिलाओं के सम्मान और अधिकारों को दरकिनार करने का जो कृत्य किया है वह दुर्भाग्यपूर्ण है। एक महिला जनप्रतिनिधि होने के नाते मैं स्पष्ट कहना चाहती हूं नारी शक्ति का यह अपमान अब हर गांव, हर शहर और हर मंच पर गूंजेगा। देश की माताएं-बहनें इसका जवाब लोकतांत्रिक तरीके से अवश्य देंगी। नारी शक्ति वंदन अधिनियम के तहत महिलाओं को लोकसभा और विधानसभा में 33% आरक्षण देने वाले ऐतिहासिक संवैधानिक संशोधन विधेयक को कांग्रेस, टीएमसी, डीएमके और समाजवादी पार्टी द्वारा बाधित करना लोकतंत्र की भावना और महिलाओं के संवैधानिक अधिकारों के साथ सीधा खिलवाड़ है। यह विधेयक केवल एक कानून नहीं, बल्कि देश की करोड़ों महिलाओं के वर्षों पुराने संघर्ष, उनके सपनों और उनके समान भागीदारी के अधिकार का प्रतीक है। इस पहल के माध्यम से महिलाओं को नीति निर्माण, नेतृत्व और निर्णय लेने की प्रक्रिया में सशक्त भागीदारी सुनिश्चित करने का मार्ग प्रशस्त होना था। लेकिन विपक्ष ने अपने संकीर्ण राजनीतिक स्वार्थों के चलते इस ऐतिहासिक अवसर को कुचलने का कार्य किया है। यह केवल विरोध नहीं, बल्कि महिलाओं के आत्मसम्मान, उनके नेतृत्व और उनकी क्षमता पर अविश्वास को दर्शाता है।

भावना बोहरा ने कहा कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में महिला सशक्तिकरण को नई दिशा मिली है। उज्ज्वला योजना, आवास और शौचालय, नमो ड्रोन और लखपति दीदी, मातृत्व लाभ, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, महिला सुरक्षा से जुड़े सख्त कानून, तीन तलाक जैसे कानून को समाप्त करना और अब राजनीतिक प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करने की दिशा में यह विधेयक प्रधानमंत्री और केंद्र की भाजपा सरकार द्वारा महिलाओं को सशक्त, आत्मनिर्भर और निर्णायक भूमिका में स्थापित करने के लिए हैं। लेकिन विपक्ष ने एक बार फिर यह दिखा दिया कि उन्हें महिलाओं के सशक्तिकरण से अधिक अपने राजनीतिक समीकरणों की चिंता है। महिलाएं केवल मतदाता नहीं हैं, वे इस राष्ट्र की आत्मा हैं। परिवार, समाज और राष्ट्र निर्माण में उनकी भूमिका अतुलनीय है। ऐसे में उन्हें निर्णय प्रक्रिया से दूर रखना या उनके अधिकारों को टालना किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए उचित नहीं कहा जा सकता। यह विधेयक महिलाओं को उनका वैधानिक और नैतिक अधिकार देने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम था, जिसे विपक्ष ने रोककर महिलाओं के विश्वास को आहत किया है।

एक महिला जनप्रतिनिधि होने के नाते यह विषय मेरे लिए अत्यंत संवेदनशील और आत्मसम्मान से जुड़ा हुआ है। आज देश की हर महिला यह देख रही है कि कौन उनके अधिकारों के साथ खड़ा है और कौन उन्हें रोकने का प्रयास कर रहा है। नारी शक्ति का यह अपमान अब केवल संसद तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि हर गांव, हर शहर और हर घर में इसकी चर्चा होगी। देश की माताएं-बहनें इस अन्याय का जवाब लोकतांत्रिक तरीके से अवश्य देंगी। आने वाले समय में यह आक्रोश जन-जन की आवाज बनेगा और हर स्तर पर इसका प्रभाव दिखाई देगा। विपक्ष को यह समझना होगा कि अब देश की महिलाएं जागरूक हैं और अपने अधिकारों के लिए संघर्ष करना जानती हैं। आने वाले समय में महिलाएं इन महिला विरोधी विपक्षियों को को कड़ा जवाब जरुर देंगी।

भावना बोहरा ने कहा कि आज विपक्षी दलों की राजनीति जनहित से भटककर केवल विरोध और निजी स्वार्थों तक सीमित हो गई है। देशहित के हर बड़े और ऐतिहासिक निर्णय पर इनका रुख नकारात्मक रहा है, चाहे जम्मू-कश्मीर से धारा 370 हटाने का साहसिक कदम हो, अयोध्या में प्रभु श्रीराम के भव्य मंदिर का निर्माण, हमारे वीर जवानों द्वारा की गई सर्जिकल और एयर स्ट्राइक, मुस्लिम महिलाओं को न्याय दिलाने वाला तीन तलाक कानून, या फिर देश को सशक्त और संगठित बनाने की दिशा में वन नेशन, वन इलेक्शन जैसी पहल और ऑपरेशन सिंदूर जैसे संवेदनशील एवं राष्ट्रीय गौरव से जुड़े हर मुद्दे पर विपक्ष ने केवल विरोध की राजनीति की है। यह स्पष्ट करता है कि उनके लिए राष्ट्रहित से बढ़कर राजनीतिक लाभ और सत्ता की लालसा है।लोकसभा में महिलाओं के अधिकार के लिए नारी शक्ति वंदन बिल पर विरोध दर्ज कराना दर्शाता है कि विपक्ष अब सकारात्मक सुझाव देने के बजाय हर निर्णय में बाधा डालने की मानसिकता से ग्रसित हो चुका है। देश की जनता अब यह समझ चुकी है कि विकास के मार्ग में कौन साथ है और कौन केवल भ्रम फैलाने का काम कर रहें हैं।

नारी शक्ति वंदन अधिनियम के समर्थन में निकाली गई जनजागरूकता पदयात्रा रैली

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

जिले के डोंगरगढ़ विकासखंड मुख्यालय में आज नारी शक्ति वंदन अधिनियम के समर्थन में भव्य जनजागरूकता पदयात्रा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में महिलाओं, जनप्रतिनिधियों एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता कर महिलाओं के सशक्तिकरण का संदेश दिया।

पदयात्रा रैली महावीर तालाब से प्रारंभ होकर जयस्तंभ चौक से होते हुए गोलबाजार में संपन्न हुई। रैली के दौरान नारी शक्ति ने नारी सम्मान एवं सशक्तिकरण से जुड़े संदेशों के माध्यम से नागरिकों को जागरूक किया। साथ ही हस्ताक्षर अभियान के माध्यम से अब नेतृत्व की बारी है, नारी शक्ति वंदन की जिम्मेदारी है संदेश के साथ समर्थन व्यक्त किया गया तथा मिस्ड कॉल के माध्यम से भी सहभागिता सुनिश्चित की गई।

कार्यक्रम में महिलाओं ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम के तहत लोकसभा एवं राज्य विधानसभाओं में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण दिए जाने के प्रावधान का स्वागत करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रति आभार व्यक्त किया। नारी शक्ति ने कहा कि यह अधिनियम महिलाओं को राजनीतिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है, जिससे उन्हें निर्णय प्रक्रिया में समान भागीदारी का अवसर प्राप्त होगा। इस अवसर पर अध्यक्ष नगर पालिक परिषद रमन डोंगरे, अध्यक्ष जनपद पंचायत श्रीमती लता सिन्हा, सभापति नगर पालिका परिषद श्रीमती रेखा वाघोरते, जसमीत सिंह बन्नोआना, विनय बंसल, श्रीमती पुष्पा गायकवाड़, श्रीमती पूणिर्मा साहू, श्रीमती मिथलेश्वरी वैष्णव, श्रीमती अंजू त्रिपाठी, श्रीमती सुषमा कोठारी, श्रीमती कनक दुबे, श्रीमती बबीता, सुश्री शिवांगी, श्रीमती शारदा यादव, श्रीमती लक्ष्मी यादव सहित अन्य जनप्रतिनिधि, महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारी-कमर्चारी एवं बड़ी संख्या में महिलाएं उपस्थित रही।

कलेक्टर के निर्देश पर खनिजों का अवैध परिवहन करने पर की जा रही कार्रवाई

अवैध उत्खनन, परिवहन, भण्डारण के रोकथाम के लिए लगातार गस्त व कर रही है निगरानी

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

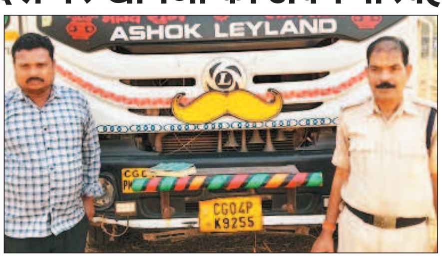

कलेक्टर जितेन्द्र यादव के निर्देशानुसार खनिज विभाग द्वारा जिले में खनिज का अवैध उत्खनन एवं परिवहन करने वालों पर लगातार कार्रवाई की जा रही है। खनि अधिकारी ने बताया कि खनिज विभाग की टीम द्वारा राजनांदगांव तहसील अंतर्गत विभिन्न क्षेत्रों का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान खनिजों का अवैध परिवहन करने वालों पर कार्रवाई की गई। जिसमें राजनांदगांव निवासी अरूण चोपड़ा के स्वामित्व की हाईवा सीजी 08 एटी 5889 से रायपुर निवासी वाहन चालक दीपक सोनी तथा ग्राम गैंदाटोला निवासी पप्पू शर्मा के स्वामित्व की हाईवा सीजी 08 बीसी 6894 से ग्राम जोशीलमती निवासी वाहन चालक नीरज नेताम द्वारा रेत का अवैध परिवहन करने पर कार्रवाई करते हुए थाना सुरगी को सुपुर्द किया गया।

इसी तरह राजनांदगांव निवासी रवि कपूर के स्वामित्व की हाईवा सीजी 08 एएक्स 5765 से ग्राम चारभाठा निवासी वाहन चालक नीतेश साहू तथा राजनांदगांव निवासी अमित हरियाणों के स्वामित्व की हाईवा सीजी 08 बीडी 7487 से ग्राम बेलोदी बालोद निवासी वाहन चालक तोरन विश्वकर्मा द्वारा रेत का अवैध परिवहन करने पर कार्रवाई करते हुए थाना पुलिस लाईन राजनांदगांव सुपुर्द किया गया। प्रकरणों में खान एवं खनिज (विकास एवं विनियमन) अधिनियम के तहत कार्रवाई की जा रही है। खनिजों के अवैध उत्खनन, परिवहन, भण्डारण के रोकथाम के लिए लगातार गस्त व निगरानी की जा रही है।

आयुष्मान आरोग्य मंदिर में कलेक्टर जितेन्द्र यादव ने योगाभ्यास में लिया भाग

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

कलेक्टर जितेन्द्र यादव ने आज राजनांदगांव विकासखंड के आयुष्मान आरोग्य मंदिर सुरगी में स्वस्थ जीवनशैली अभियान के अंतर्गत प्रतिदिन आयोजित प्रातःकालीन योगाभ्यास कार्यक्रम का निरीक्षण किया और योगाभ्यास सत्र में शामिल हुए।

उन्होंने उपस्थित योग लाभार्थियों को नियमित योग करने के लिए प्रोत्साहित करते हुए कहा कि विशेषकर 30 वर्ष से अधिक आयु के लोगों को योग को अपनी दिनचर्या में अनिवार्य रूप से शामिल करना चाहिए। कलेक्टर ने गैर संचारी रोगों में योग एवं स्वस्थ जीवनशैली के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि वतर्मान की भागदौड़ भरी जीवनशैली और बढ़ते तनाव के कारण मधुमेह, उच्च रक्तचाप एवं मोटापे जैसी बीमारियों का खतरा बढ़ रहा है। इनसे बचाव के लिए योग सबसे प्रभावी माध्यम है। उन्होंने सभी नागरिकों को प्रतिदिन कम से कम 30 से 45 मिनट योगाभ्यास करने की सलाह दी।

कलेक्टर ने आयुष्मान आरोग्य मंदिर में संचालित राष्ट्रीय कार्यक्रमों एवं अन्य योजनाओं की जानकारी ली तथा योग लाभार्थियों की संख्या बढ़ाने के निर्देश दिए। उन्होंने योग सत्र में उपस्थित अभ्यासियों के अनुशासन एवं उत्साह की सराहना करते हुए प्रशिक्षकों द्वारा सिखाए जा रहे विभिन्न आसनों एवं प्राणायाम की विधियों का अवलोकन किया और योग सत्रों को नियमित रूप से आयोजित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने योग शिविर में उपस्थित ग्रामवासियों से उनकी समस्याएं भी सुनीं और उनके निराकरण का आश्वासन दिया। साथ ही उन्होंने ग्रामीणों को सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना का लाभ लेते हुए अपने घरों में सोलर प्लांट स्थापित करने के लिए प्रेरित किया। योगाभ्यास के उपरांत लाभार्थियों को रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने हेतु आयुष काढ़ा एवं पौष्टिक अंकुरित चना-मूंग का वितरण किया गया।

कलेक्टर ने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र आयुष्मान आरोग्य मंदिर सुरगी का किया निरीक्षण

कलेक्टर जितेन्द्र यादव ने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र आयुष्मान आरोग्य मंदिर सुरगी का निरीक्षण कर स्वास्थ्य सेवाओं की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने अस्पताल में साफ-सफाई एवं सुव्यवस्थित संचालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने प्रत्येक दिवस के लिए अलग-अलग रंग के बेडशीट निर्धारित प्रोटोकॉल के अनुसार रखने के निर्देश दिए, ताकि अस्पताल में बेहतर प्रबंधन एवं स्वच्छता बनी रहे। उन्होंने एनसीडी जांच शिविर में आने वाले मरीजों को नियमित रूप से योग करने के लिए प्रेरित करने कहा, जिससे स्वस्थ जीवनशैली अपनाकर बीमारियों से बचाव किया जा सके। कलेक्टर ने एचपीवी टीकाकरण अभियान की प्रगति की जानकारी ली और सेक्टर की 14 वर्ष से अधिक आयु की बालिकाओं को प्रोत्साहित करते हुए शत-प्रतिशत टीकाकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर सीईओ जिला पंचायत सुश्री सुरूचि सिंह, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. एनआर नवरतन, जिला कार्यक्रम प्रबंधक संदीप ताम्रकार एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के चिकित्सा अधिकारी डॉ. तेजेंद्र वर्मा सहित स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

स्वस्थ जीवनशैली अभियान अंतर्गत सभी आयुष्मान आरोग्य मंदिर (आयुष) में योग प्रशिक्षकों द्वारा प्रतिदिन योगाभ्यास तथा अन्य सभी आयुष्मान आरोग्य मंदिरों में प्रति बुधवार योग शिविर का आयोजन किया जा रहा है। इस अवसर पर मुख्य कायर्पालन अधिकारी जिला पंचायत सुश्री सुरूचि सिंह, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. नेतराम नवरतन, जिला आयुष अधिकारी, जिला कार्यक्रम प्रबंधक संदीप ताम्रकार, आयुष्मान आरोग्य मंदिर प्रभारी डॉ. मधु बंछोड़, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र सुरगी के चिकित्सक एवं स्टाफ, योग प्रशिक्षक भोजराज नेताम, अंशकालिक स्वच्छक भागवत साहू सहित जनप्रतिनिधि एवं ग्रामवासी उपस्थित थे।

भिलाई में पुरानी रंजिश का खूनी अंजाम : धारदार हथियार और बेसबॉल बैट से किया हमला, दो आरोपी हुए गिरफ्तार

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

शहर में पुरानी रंजिश एक बार फिर हिंसा में बदल गई, जहां कैम्प-02 क्षेत्र में युवक पर जानलेवा हमला कर उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया गया। मामले में दुर्ग पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।

जानकारी के अनुसार 15 अप्रैल की रात करीब साढ़े नौ बजे मिलन चौक, कैम्प-02 निवासी 19 वर्षीय करन चौहान पर आरोपियों ने गाली-गलौज करते हुए अचानक हमला कर दिया। हमलावरों ने धारदार हथियार और बेसबॉल बैट का इस्तेमाल करते हुए युवक को गंभीर चोटें पहुंचाईं। घटना के बाद क्षेत्र में दहशत का माहौल बन गया।

पीड़ित की शिकायत पर थाना छावनी में अपराध क्रमांक 231/2026 दर्ज कर बीएनएस की विभिन्न धाराओं के तहत मामला कायम किया गया। पुलिस ने तफ्तीश के दौरान मुखबिर की सूचना के आधार पर आरोपियों तक पहुंच बनाई। पूछताछ में दोनों ने वारदात को अंजाम देना स्वीकार कर लिया।

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान तरुण यादव और चंदन यादव के रूप में हुई है, जो कैम्प-02 के ही निवासी हैं। पुलिस ने इनके कब्जे से घटना में प्रयुक्त धारदार हथियार और बेसबॉल बैट बरामद कर जप्त कर लिया है। दोनों को न्यायालय में पेश कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया है।

पुलिस के मुताबिक हमले की मुख्य वजह पुरानी रंजिश रही, जो समय के साथ सुलगती रही और आखिरकार हिंसक रूप ले बैठी। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि शहर में कानून व्यवस्था से खिलवाड़ करने वालों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा। आम नागरिकों से अपील की गई है कि आपसी विवाद को खुद सुलझाने के बजाय कानून का सहारा लें, अन्यथा कठोर कार्रवाई तय है।

कंपनी के मोटर पाट्र्स गबन मामले में 2 कर्मचारी गिरफ्तार

रायपुर। राजधानी रायपुर में एक निजी ऑटो पाट्र्स कंपनी से लाखों रुपये के मोटर पाट्र्स का गबन करने के मामले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए दो कर्मचारियों को गिरफ्तार किया है। मामला थाना खमतराई क्षेत्र स्थित रामा मोटोकॉर्प प्राइवेट लिमिटेड कंपनी का है, जहां कर्मचारियों द्वारा कंपनी के सामान का दुरुपयोग कर आर्थिक नुकसान पहुंचाने का आरोप है। प्रार्थी अंकुर जिंदल, जो कंपनी में मैनेजर के पद पर कार्यरत हैं, ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि कंपनी के कमर्चारी उत्कर्ष मंडल, हर्ष साहू, चेतन साहू, कुलदीपक साहू और लक्ष्मण साहू ने सितंबर 2025 से 12 अप्रैल 2026 के बीच मिलकर कंपनी के विभिन्न मोटर पाट्र्स का गबन किया। गबन की कुल राशि 6,82,309.79 रुपये बताई गई है।

जवाहर नगर पुलिस के पास सट्टा रैकेट पर छापा मोबाइल से चल रहा था खेल, आरोपी गिरफ्तार

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई-दुर्ग

शहर में सट्टा कारोबार के खिलाफ जारी अभियान के तहत वैशाली नगर थाना पुलिस ने एक और कार्रवाई करते हुए ऑनलाइन सट्टा संचालित करने वाले आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी मोबाइल के जरिए कल्याण और राजधानी सट्टा गेम में दांव लगवाकर अवैध कमाई कर रहा था।

दुर्ग पुलिस के अनुसार 17 अप्रैल को मुखबिर से सूचना मिली कि जवाहर नगर पुलिया के पास एक व्यक्ति सट्टा संचालन में सक्रिय है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने मौके पर घेराबंदी कर आरोपी को रंगे हाथ पकड़ लिया। पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम संजय कुमार प्रसाद उर्फ पंडित (48), निवासी दीपनगर, वैशाली नगर बताया। जांच में सामने आया कि वह मोबाइल फोन के माध्यम से सट्टा संचालन कर रहा था और विभिन्न लोगों से संपर्क कर ऑनलाइन लेनदेन कर रहा था। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से दो मोबाइल फोन, 17 हजार रुपये नगद और सट्टा लेनदेन से जुड़े डिजिटल साक्ष्य जब्त किए हैं। कुल मिलाकर करीब 46 हजार रुपये की संपत्ति बरामद की गई है।

मामले में छत्तीसगढ़ जुआ प्रतिषेध अधिनियम 2022 के तहत अपराध दर्ज कर आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया है। पुलिस का कहना है कि शहर में सट्टा और ऑनलाइन जुए के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा। आम नागरिकों से अपील की गई है कि ऐसे किसी भी अवैध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें, ताकि समय रहते कार्रवाई की जा सके।

प्रेम संबंध में विवाद, युवती की हत्या, आरोपी गिरफ्तार

दुर्ग। थाना पद्मनाभपुर क्षेत्र में एक युवती की संदिग्ध मृत्यु के मामले का खुलासा करते हुए पुलिस ने हत्या के आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में प्रस्तुत किया है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, 17 अप्रैल 2026 को पद्मनाभपुर क्षेत्र में एक युवती की संदिग्ध मौत की सूचना प्राप्त हुई। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। आरोपी कार्तिक राम साहू (27 वर्ष), निवासी देंगरापार जिला बालोद, अपनी परिचित युनेश्वरी वर्मा (26 वर्ष), निवासी खैरागढ़ को पुलगांव स्थित किराये के कमरे से सुभाष नगर, पद्मनाभपुर स्थित अपने कमरे में लेकर आया था। इसी दौरान दोनों के बीच प्रेम संबंध को लेकर विवाद हुआ, जिसके चलते आरोपी ने युवती की गला दबाकर हत्या कर दी। पुलिस ने मामले में भारतीय न्याय संहिता (इठर) की धारा 103(1) के तहत अपराध दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। घटनास्थल से आवश्यक भौतिक साक्ष्य भी एकत्र किए गए हैं और मामले की विस्तृत जांच जारी है।

ट्रांसफार्मर में लगी आग, बिजली गुल रहने से लोग हुए परेशान

नई दृष्टिबिंदु / नंदिनी अहिवारा

अहिवारा नगर के नहर पुल के पास मां लक्ष्मी मेडिकल के बाजू में लगे ट्रांसफार्मर में अचानक आग लगने से क्षेत्र में हड़कंप मच गया। घटना के बाद पूरे इलाके की बिजली आपूर्ति ठप हो गई, जिससे लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। स्थानीय लोगों के अनुसार, आग लगने से पहले भी बिजली बार-बार गुल हो रही थी, जिससे लोग पहले से ही परेशान थे। आखिरकार ट्रांसफार्मर में आग लगने के बाद स्थिति और बिगड़ गई और करीब 15 घंटे तक बिजली आपूर्ति बंद रही।

निवासियों का आरोप है कि ट्रांसफार्मर को लेकर पहले भी कई बार बिजली विभाग को शिकायत की गई थी। ट्रांसफार्मर से चिंगारी निकलने और ओवरलोड की समस्या लगातार बनी हुई थी, लेकिन विभाग ने इस ओर कोई ठोस कदम नहीं उठाया।

प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि गर्मियों में बढ़ते लोड के कारण ट्रांसफार्मर पर दबाव बढ़ गया,

जिससे यह हादसा हुआ। लोगों का कहना है कि यदि समय रहते मेंटेनेंस किया जाता तो इस घटना को टाला जा सकता था।

गौरतलब है कि गर्मी के मौसम में बिजली की मांग बढ़ जाती है, ऐसे में विभाग को पहले से ट्रांसफार्मर और लाइनों की जांच व मरम्मत करनी चाहिए। लेकिन लापरवाही के चलते आम जनता को खामियाजा भुगतना पड़ रहा है। घटना के बाद लंबे समय तक बिजली गुल रहने से पेयजल, घरेलू कामकाज और व्यापारिक गतिविधियां भी प्रभावित रहीं।

स्थानीय नागरिकों ने प्रशासन से मांग की है कि जिम्मेदार ठेकेदार जो वार्षिक रखरखाव मेंटेनेंस का ठेका लेता है उसके बावजूद भी क्षेत्र में तार ढीला और कई प्रकार की खामियां देखने को मिलता है इसे स्पष्ट है कि कहीं ना कहीं ठेकेदार एवं विद्युत विभाग के अधिकारियों के साथ गांठ कि संभावना लग रहा है ठेकेदार एवं अधिकारियों के खिलाफ जांच कर कार्रवाई की जाए और भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए नियमित मेंटेनेंस सुनिश्चित किया जाए।

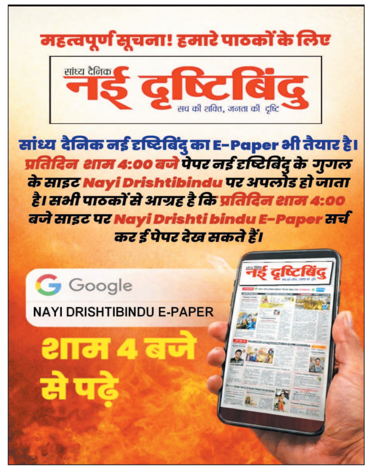

खारून ब्रिज के पास दर्दनाक हादसा, बाइक सवार युवक की मौत

भिलाई-3। जिले के दुर्ग-रायपुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर खारून नदी ब्रिज के ऊपर शनिवार दोपहर एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ, जिसमें बाइक सवार युवक की मौके पर ही मौत हो गई। यह हादसा कुम्हारी थाना क्षेत्र में करीब 1 बजे हुआ, जिससे इलाके में कुछ समय के लिए अफरा-तफरी मच गई। कुम्हारी पुलिस के अनुसार, एक काले रंग की पल्सर बाइक (एमपी 65 एमई 8516) पर सवार युवक दुर्ग से रायपुर की ओर जा रहा था। इसी दौरान पीछे से आ रहे तेज रफ्तार हाईवा ट्रक (सीजी 04 पीक्यू 8262) के चालक ने लापरवाहीपूर्वक वाहन चलाते हुए बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक सवार सड़क पर गिर गया और ट्रक के पहिए के नीचे आ गया। गंभीर चोटों के कारण उसकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद आसपास मौजूद लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। पुलिस मौके पर पहुंची और मृतक के पास मिले दस्तावेजों के आधार पर उसकी पहचान आरिफ रजा मंसूरी के रूप में की गई। प्रारंभिक जांच के बाद शव को शासकीय वाहन से सुपेला अस्पताल की मर्चुरी में भेज दिया गया। घटना की जानकारी मिलने के बाद कुम्हारी थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। रिपोर्ट आरक्षक दशरथ सेठी द्वारा प्रस्तुत की गई, जिसके आधार पर आगे की कार्रवाई शुरू की गई। पुलिस ने आरोपी ट्रक चालक के खिलाफ मोटर व्हीकल एक्ट की धारा 184 और भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 106(1) के तहत अपराध क्रमांक 0120/26 दर्ज किया है। मामले की जांच जारी है और ट्रक चालक की तलाश भी की जा रही है।

भोपाल से अपहरणकर्ता को छत्तीसगढ़ पुलिस ने दबोचा, पीड़िता का सुरक्षित रेस्क्यू

खैरागढ़-छुईखदान-गंडई। "ऑपरेशन मुस्कान" के तहत अपहृत नाबालिग को सकुशल भोपाल, मध्य प्रदेश से बरामद किया गया। 12 फरवरी, 2026 को प्रार्थी ने बकरकट्टा पुलिस थाने में एक रिपोर्ट दर्ज कराई, जिसमें बताया गया कि उसकी नाबालिग बेटी जो अपनी माँ के साथ बकरकट्टा बाजार गई थी उसको किसी अज्ञात व्यक्ति ने बहला-फुसलाकर अगवा कर लिया है। रिपोर्ट के आधार पर, बकरकट्टा पुलिस थाने में अज्ञात आरोपी के विरुद्ध अपराध क्रमांक 01/26, भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 137(2) के तहत मामला दर्ज किया गया और मामले की जांच शुरू की गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए, पुलिस ने तकनीकी साक्ष्यों और मुखबिरों से प्राप्त खुफिया जानकारी के आधार पर आरोपी और अपहृत पीड़िता की तलाश शुरू की। जांच के दौरान, यह सूचना प्राप्त हुई कि वे भोपाल (मध्य प्रदेश) में मौजूद हैं; जिसके परिणामस्वरूप, तत्काल एक विशेष टीम का गठन किया गया और उन्हें उस स्थान पर रवाना किया गया। 16 अप्रैल, 2026 को भोपाल के खिजड़ा रोड (चेला मंदिर के पास) से आरोपी—जिसकी पहचान ललित वर्मा, पिता जगन्नाथ वर्मा, उम्र 26 वर्ष, निवासी खिजड़ा रोड, छोला मंदिर भोपाल स्थाई पता ग्राम हीरापुर थाना राजगढ़ जिला राजगढ़ मध्यप्रदेश को हिरासत में लिया गया तथा उसके कब्जे से नाबालिक बालिका को सकुशल बरामद किया गया। पूछताछ के दौरान आरोपी द्वारा नाबालिक को बहला फुसलाकर अपहरण कर उसके साथ जबरदस्ती दुष्कर्म करना स्वीकार किया प्रकरण में विधि सम्मत कार्यवाही उपरांत आरोपी ललित वर्मा को 18 अप्रैल 2026 को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया। जहां से उसे न्यायिक रिमांड पर भेजा गया है।

"यह समाचार पत्र आलोक तिवारी द्वारा 80/बी, मैत्री विहार, राधिका नगर, सुपेला, भिलाई, जिला दुर्ग, (छत्तीसगढ़)-490023 से आलोक तिवारी की ओर से प्रकाशित की जाती है, जिसका संपादन आलोक तिवारी द्वारा किया जाता है तथा इसका मुद्रण समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स द्वारा प्लॉट नं. 339/6, गली नं. 02, पाटन, थाना उतई, दुर्ग, (छ.ग.)-491111 पर किया जाता है। (समाचार चयन के लिए PRP Act, 2023 के तहत संपादक जिम्मेदार है)। समस्त विवादों का निपटारा न्यायलयीन क्षेत्र दुर्ग होगा।" संपादक आलोक तिवारी, मो. 74154-69100